CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१९८७

१९८७/५/१६

विषय क्रम

		पृष्ठ
०	भूमिका	७
०	विषय प्रवेश	९
१.	रत्न-विचार ज्योतिष	१२
२.	फूल के नाम द्वारा प्रश्न बताना	२६
३.	योग सिद्धि द्वारा भविष्य ज्ञान	३३
४.	पासा डालकर भविष्य जानना	३५
५.	श्री राम शलाका प्रश्नावली	४८
६.	केरल प्रश्न विधि	५४
७	प्रश्न कुण्डली द्वारा भविष्य फल	६३
८.	अंग लक्षण द्वारा भविष्य	८२

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सिर, मस्तक, आंखें, भौंहें, नाक, ओंठ, दांत, बाल,
कान, गर्दन, कन्धे, छाती, शरीर, पांव, रोएं, नितम्ब
व्यक्तित्व बोधक अन्य लक्षण पृष्ठ ८६ से १२४

९. तिल द्वारा भाग्य विचार १२५

१०. मस्सा वर्णन १४५

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भूमिका

इस पुस्तक के लिखने की आवश्यकता मुझे इसलिए अनुभव हुई कि जिन लोगों के पास न तो अपना जन्म दिनांक है और न ही जन्म समय, वे भी अपना भाग्य जान सकें। कुछ ज्योतिष प्रेमियों के आगे कुछ समस्याएँ होती हैं। कई बार कुछ प्रश्न ऐसे आ जाते हैं जिनका जल्दी उत्तर न तो ज्योतिषशास्त्र दे सकता है और न ही हस्त रेखा। यदि किसी का प्रश्न है कि क्या बैंक खुला होगा ? क्या जिसे मैं मिलने जा रहा हूँ वह मिलेगा ? मेरा बेटा खो गया है कब तक आ जाएगा ! इन बातों का उत्तर न तो हस्त रेखा दे सकती है। और न ही ज्योतिषशास्त्र तथा अंक विद्या इसका जल्दी और सही उत्तर दे सकती है। कुछ लोग न तो ज्योतिष शास्त्र को समझ सकते हैं और न ही हस्त रेखा का अध्ययन कर सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए और कुछ अजनबी समस्याओं को हल

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

करने के लिए मैंने "बिना जन्म पत्री आप का भविष्य" नामक पुस्तक की रचना की है।

इस पुस्तक के लिखने में मेरा यह प्रयास रहा है कि मैं उन लोगों तक भी ज्योतिष पहुंचा पाऊं जो अपने व्यस्त जीवन के कारण न तो बड़ी-बड़ी पुस्तकें पढ़ पाते हैं और न ही किसी ज्योतिषी के पास आ जा सकते हैं, वे भी इस पुस्तक की सहायता से अपने भाग्य प्रश्नों का उत्तर पा सकें।

इस पुस्तक में मैंने प्रश्नों के तुरन्त उत्तर पाने के लिए 'पुष्प पद्धति', 'केरल पद्धति', 'अंक पद्धति' और 'शरीर-चिन्ह विज्ञान पद्धति' 'रामायण पद्धति' द्वारा पाठक को समझाने को चेष्टा की है। इसमें "तिल और मस्सा" के विषय में विशेष रूप से बताया गया है।

मैं आशा करती हूँ कि पाठक गण को मेरी यह पुस्तक बहुत पसन्द आएगी।

ज्योतिष सदन, —उर्मिला देवी शर्मा
एन 1, राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली-110027

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ॐ श्री गणेशाय नमः

विषय प्रवेश

बहुत से ज्योतिष-विद्वान, लोगों को यह कह कर टाल देते हैं कि या तो अपनी जन्मपत्री ले आईये और या फिर ठीक जन्म तिथि व समय ले आइये। अब सवाल यह है कि क्या सभी व्यक्तियों के पास अपने जन्म का पूरा ब्योरा है ? क्या सभी लोग या उनके बुजुर्ग आरम्भ से ज्योतिष को मानते आए हैं ? मेरे विचार में ऐसा नहीं होता। कुछ ही इने-गिने लोग होते हैं जो कि परम्परा-गत ज्योतिष या भविष्य जानने में विश्वास रखते हैं और प्रत्येक कार्य ज्योतिष के अनुसार विधिवत करते हैं। कुछ जातियां तो ऐसी भी हैं जिनका धर्म उन्हें ज्योतिष या अन्य बातों से कोसों दूर रखने की राय देता है।

इन सब बातों के होते हुए भी प्रायः कुछ लोग दुविधा में पड़ जाने या अपनी आने वाली जिन्दगी जानने हेतु कभी-कभी अत्यधिक उत्सुक हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में एक कुशल भविष्य वक्ता को कोई न कोई [illegible]

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF
निकाल कर बिना जन्म तारीख या जन्म पत्री के भविष्य बताना ही पड़त है।

जन्म पत्री के अतिरिक्त और भी कई साधन हैं जिनके द्वारा भविष्य बताया जा सकता है। वैसे तो हस्त रेखा और अंक विद्या ऐसी सरल और सीधी विद्याएँ हैं। जिनके द्वारा बिना किसी दिक्कत के भविष्य बताया जा सकता है। परन्तु ये विद्याएँ भी कुछ अपूर्ण सी ही हैं। यदि किसी को पूछना है कि मेरा लड़का खो गया है कहां मिलेगा ? क्या मेरी तरक्की होगी ? क्या मेरा खोया हुआ धन मिलेगा और चोर कैसा होगा ? धन किस दिशा में गया है ? इस बार मेरी क्या सन्तान होगी, लड़का या लड़की ? यदि कुछ प्रश्न ऐसे होते है जिनका उत्तर हस्त रेखा या अंक विद्या से नहीं बताया जा सकता उपरोक्त प्रश्नों का हल ज्योतिषी लोग कई-कई विधियों से दे देते हैं। लेकिन कुछ विधियां ऐसी होती हैं जो कि नियम-पूर्वक न होकर ऐसे काम चलाऊ और तीर तुक्कों की होती है। कभी-कभी तीर तुक्के चल जाएँ तो ज्योतिषी लोग उसी को ही भविष्य बताने का आधार बना लेते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बिना जन्म पत्री के भविष्य बताने के कुछ साधन इस प्रकार हैं। मेरे व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर ये 90 प्रतिशत सही हैं।

सब से अच्छा और वैज्ञनिक तरीका तो है, प्रश्न कुण्डली। क्योंकि प्रश्न कुण्डली भी जन्म कुण्डली की ही भांति विशेष प्रकार के समय को लेकर बनाई जाती है। जब मनुष्य पैदा होता है तो उस समय जो ग्रह जिस राशि में चल रहे होते हैं उनका प्रभाव मनुष्य जीवन के ऊपर पूर्ण रूप से पड़ जाता है। उसी प्रकार जब कोई व्यक्ति ज्योतिषी के पास जाता है तो उस समय के ग्रह नक्षत्रों की स्थिति के आधार पर प्रश्न कुण्डली बनायी जाती है जिसका फलादेश जन्म कुण्डली की भांति ठीक-ठीक मिलता है, लेकिन प्रश्न कुण्डली बनाने और उसका फल बताने के लिए ज्योतिष का प्रारम्भिक ज्ञान, जैसे—भाव, राशि, राशि के स्वामी नक्षत्र, लग्न आदि की जानकारी जरूरी है। इसलिए प्रश्न कुण्डली का विवरण इसी पुस्तक के आगामी पृष्ठों पर करेंगे। पहले प्रश्न की अन्य सरल विधियों का वर्णन करते हैं

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

रत्न विचार ज्योतिष

इस विद्या द्वारा प्रश्न पूछने वाले से किसी रत्न का नाम बुलवाया जाता है फिर उसका हिसाब करके उत्तर हां या 'ना' अथवा 'संदेहजनक' बताया जाता है।

विधि :—यह विद्या अंग्रेजी हिज्जों को लेकर तैयार की गई है। प्रत्येक अंग्रेजी अक्षर का अपना विशेष नम्बर है। जैसे A का १ नम्बर, B का २ नम्बर। इसी क्रम से यह नम्बर चलते हैं। ध्यान रहे कि प्रत्येक अक्षर का जोड़ एक ही अंक में ही होना चाहिए। जैसे :—

A—१, B—२, C—३, D—४, E—५, F-६,
G—७, H—८, I—९

J—१०=१+०=१, K—११=१+१=२,
L—१२=१=२+३ M—१३=१+३=४,
N—१४=१+४=५, O—१५=१+५=६
P—१६=१+६=७, Q—१७=१+७=८,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

R—१८=१+८=९; S—१९=१+९=१०=१,

T—२०=२+०=२, U—२१=२+१=३

V—२२=२=२=४, W—२३=२+३=५

X—२४=२+४=६ Y—२५=२+५=७,

Z—२६=२+६=८,

यहाँ पर 'एल' की क्रम संख्या १२ है, लेकिन इसे १२ न मानकर १+२=३ ही मानेंगे ।

ठीक इसी प्रकार व्यक्ति के नाम के अंग्रेजी अक्षरों के ठीक स्पेलिंग लिखकर व्यक्ति का व्यक्तिगत अंक निकाला जा सकता है, जैसे किसी हरीचन्द नाम के व्यक्ति ने आकर प्रश्न किया तो उससे उसके अंग्रेजी अक्षरों के 'स्पेलिंग' (उच्चारण) पूछ लिए जिनका मूलांक इस प्रकार बना ।

HARI CHAND

८ १ ९ ९ ३ ८ १ ५ ४ =४८=४+८=१२=३

इस व्यक्ति का मूलांक ३ बनता है, लेकिन प्रश्न का

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उत्तर देने के लिए मूलांक तीन का प्रयोग न कर ४८ ही प्रयोग में लायेंगे।

इसी प्रकार रत्नों के भी अंग्रेजी हिज्जों द्वारा अंक निकाले जाते हैं। पाठकों की सुविधा के लिए हिन्दी रत्नों के अंग्रेजी नामों द्वारा हमने सभी रत्नों के अंक निकाल कर दे दिये हैं। जैसे :—

हीरा—३३ DIAMOND
पन्ना—३१ EMERALD
मोती—२५ PEARL
नीलम—४७ SAPPHIRE
फिरोजा—४६ TARQUIOSE
माणिक्य—२१ RUBY
मूंगा—२२ CORAL
पुखराज—२४ TOPAZ
ताम्बू—१७ OPAL
लहसनिया—२५ Cat's. Eye
गोमेद—४२ HESSONITE

यदि ऊपर दिये गए अंग्रेजी रत्न नामों के मूलांक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

निकालें जाए तो एक दम ठीक निकलेंगे। जैसे :—

४ ९ १ ४ ६ ५ ४=३३

DIAMOND

ऊपर दिये गए रत्नों के नम्बरों से मतलब केवल इतना है कि किसी भी द्विविधा में पड़े व्यक्ति, जिसके पास न तो जन्म तिथि है और न ही जन्म पत्री, की समस्या का हल निकाला जा सके।

प्रश्न का उत्तर कैसे दें ?

जब कोई व्यक्ति किसी ज्योतिषी या विद्वान् के पास आए और प्रश्न करे कि मैं पास हो जाऊँगा ? जिससे मेरी बात चल रही है वहां शादी हो जाएगी ? क्या मेरी इस वर्ष प्रोमोशन है ? आदि।

प्रश्नों का उत्तर इस प्रकार दीजिए।

(१) सब से पहले उसके नाम के अंग्रेजी उच्चारण (स्पेलिंग) पूछ लें या लिखवा लें।

(२) उसके "सरनेम" अर्थात् जाति आदि के अक्षरों के लिखवाने की आवश्यकता नहीं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जैसे :—राम कृष्ण 'शर्मा'

हर दयाल 'पुरोहित'

कृष्ण लाल 'लपशा'

यहां पर "शर्मा" 'पुरोहित' "लपशा" आदि लिखने की आवश्यकता नहीं।

इसी प्रकार कुछ लेखक, शायर एवं गायक लोग अपने नामों के आगे या पीछे कोई उपनाम जोड़ देते हैं। और कई बार तो बुलाये भी उसी नाम से जाते हैं। अमृत लाल 'मुसाफिर', दाऊ लाल 'आजाद', सूर्य कान्त त्रिपाठी 'निराला', बाल कवि 'वैरागी' यहां पर मुसाफिर, आजाद, निराला एवं वैरागी लिखने की आवश्यकता नहीं है। केवल मुख्य नाम लिखने की आवश्यकता है। जैसे—

D A U L A L

४ १ ३ ३ १ ३ =१५

इसी प्रकार कुछ लोगों का एक ही अक्षर का नाम होता है। 'चन्द्र', कुमारी, 'लाल', देवी आदि नाम के पीछे कुछ नहीं लगाते या फिर आधा नाम और जाति जोड़ते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जैसे लीला या लीला वोहरा इनका वास्तविक नाम लीला कुमारी है पर यह प्रसिद्ध हैं लीला 'वोहरा' के नाम से हम इनके केवल लीला के ही अक्षर या स्पेलिंग लिखेंगे 'वोहरा' तो और भी लोगो की जाति हो सकती है। इसी प्रकार उर्मिल शर्मा यहां 'शर्मा' तो ब्राह्मण को कहते है इनके नाम के साथ शर्मा का कोई तात्पर्य नहीं। अतः इनका नाम केवल उर्मिल ही समझा जाएगा।

५. कुछ लोग नाम के अक्षर अपने-अपने ढंग से लिखते हैं। इस बात का भी पूरा ध्यान रखना चाहिए। जैसे बलदेव दत्त। अब कुछ लोग 'दत्त' को Dutta इस प्रकार लिखते हैं और कुछ लोग 'दत्त' को Dutt इस प्रकार लिखते हैं। अतः इन सब बातों को ध्यान में रखना बहुत जरूरी है। क्योंकि अगर एक भी अंक बढ़ गया या घट गया तो जवाब 'हां' के बजाय न में और 'न' की बजाय 'हां' में आ जायेगा।

मेरे पास लीला नाम की औरत आ गई। उसने प्रश्न किया कि मेरे पति का ट्रांसफर हो जायेगा या नहीं। एक बार उसने नाम के अक्षर बताये Leela मैंने बार-बार

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उससे पूछा कि तुम्हारे स्पेलिंग ठीक है ? कहने लगी हां। मैंने भी उसी आधार पर हिसाब लगाकर कहा तुम्हारे पति का ट्रांसफर नहीं होगा। और उसका पति १५ दिनो में ही ट्रांसफर होकर आ गया।

वह आकर मुझे भला बुरा कहने लगी। मैंने उसे कहा तुम अपने बैंक की कापी लाओ और सर्टीफिकेट लाओ। जब वह दोनों चीजें ले आई तो वहां Leela की जगह Leala लिखा हुआ मिला। फिर वह बेचारी चुप-चाप चली गई। अतः नाम लिखते समय 'स्पेलिंग' का विशेष ध्यान रखना चाहिये।

जब नाम के अनुसार अंक नम्बर निकल आय तो उसके पश्चात् रत्न का नाम बुलवाओ। एक बात ध्यान में रहे 'रत्न-नाम' मुख से अचानक निकले। ज्यादा ध्यान देने से और टाईम लगाने से कई रत्नों के नाम दिमाग में घूम जाते हैं। फिर प्रश्न का उत्तर ठीक नहीं हो पाता। उसके पश्चात् प्रश्न कर्त्ता जिस दिन प्रश्न पूछ रहा हो उस दिन की तारीख नोट कर लें। फिर तीनों का जोड़कर लें, जैसे नाम के अंक, तारीख के अंक और रत्न के अंक।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उदाहरण के लिए :—

एक व्यक्ति का नाम रामलाल सिंहला है। वे आए और प्रश्न किया कि १९७५ में मेरा मकान बन जाएगा ? रत्न का नाम एकदम रुवि लिया। सिंहला जाति है अतः उसे छोड़कर Ram Lal के अंक बनाये।

९१४३१३=२१
जन्म तारीख=१५
रत्न के अंक=२१
५७

टोटल अंकों को ३ से भाग कर दें। यदि १ बचे तो एक दम 'हां' कह दें, २ बचें तो एक दम 'न' और अगर ० बचे तो उत्तर समझें कि कार्य सिद्धि में कोई न कोई अड़चन पड़ेगी, लेकिन काम हो जाएगा। ऊपर वाले प्रश्न में भी ० आता है। प्रश्न का उत्तर यही निकला कि मकान तो बन जायेगा मगर कोई न कोई अड़चन पड़ेगी। रामलाल जी ने जब मकान बनाना आरम्भ किया तो उन्हें कई अड़चनें पड़ीं। मकान का कुछ हिस्सा बना तो कर्ज मिलने में अड़चनें आईं। उधार मिला तो मकान बनाने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

का सामान न मिला। बाद में मजदूरों के साथ झगड़ा हो गया बड़ी मुश्किल से सब कुछ ठीक हुआ तो रामलाल जी स्वयं बीमार पड़ गये। आखिरकार ३ जनवरी, १९७६ तक मकान बन सका।

इसी प्रकार अवतार सिंह जी ने प्रश्न किया कि मेरा रुपया किसी ने देना है वह कब तक देगा और देगा भी सही कि नहीं ? इस प्रश्न में कब तक देगा का कोई उत्तर नहीं आ सकता क्योंकि इसका उत्तर तो केवल ज्योतिष शास्त्र द्वारा ग्रहों के अध्ययन से दिया जा सकता है। अतः मैंने अवतार सिंह जी को कहा कि आप कुल समय (मियाद) रुपये मिलने का अपने दिमाग में रखें और फिर एक दम किसी रत्न का नाम लें तो उन्होंने एकदम हीरा कह दिया उनका उत्तर इस प्रकार रहा।

Avtar Singh

१४२१९ १९५७८

१७ ३०=४७

यदि Awtar की जगह Avtar लिख दिया जाये तो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

उत्तर में एकदम अन्तर आ जायेगा। परन्तु उनके सही अक्षर V के ही हैं।

हीरे के नम्बर ३३
नाम के नम्बर ४७
तारीख ५

३) ८५ (२८
६
२५
२४
१

नीचे १ बचा अतः मैंने अवतार सिंह जी को उत्तर दिया जब तक आपने सोच रखा है तब तक आपको रु० मिल जाएगा। उन्होंने ३१ अक्टूबर, १९७६ को मकान बदलना था और उससे पहले ही उन्होंने मकान मालिक को दस हजार एडवांस दे रखा था अतः उन्हें दिया गया एडवांस पैसा ३१ अक्टूबर को ही मिल गया।

अंक विद्या द्वारा निकाला गया प्रश्न किसी विशेष समय के लिए होता है। इसका सम्बन्ध हमेशा के लिए

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

नहीं हो सकता। किसी ने आकर पूछा कि क्या मेरी नौकरी लगेगी ? उत्तर मिला नहीं। इसका तात्पर्य यह नहीं कि वह व्यक्ति सदा भूखा मरता रहेगा नौकरी कभी नहीं करेगा। इसका अर्थ केवल इतना ही लिया जा सकता है कि वह व्यक्ति अवश्य ही किसी निश्चित समय के लिए पूछ रहा है। या तो वह इन्टरव्यू दे आया है या देने जा रहा है और या किसी रिक्त स्थान के लिए प्रार्थनापत्र भेजना चाहता है। रमेश कुमार ने आकर प्रश्न किया जहां मैं इन्टव्यू दे आया हूं वहाँ मेरी नौकरी लगेगी ?

RAMESH KUMAR

९ १ ४ ५ १ ८ २ ३ ४ १ ९—४७

नीलम—४७

तिथि—२५

३) ११९ (३९
९
२९
२७
२

उत्तर दिया, नहीं तुम्हारी नौकरी नहीं लगेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दो दिन बाद वह फिर आया कहने लगा आंटी वहां तो नहीं लगी। अब और जगह इन्टरव्यू दे आया हूं। वहां के लिए बताओ।

नाम के अंक ४७
पन्ना ३१
तारीख २७

३) १०५ (२५
९
१५
१५
०

यहां पर ० बचता है अतः एक दम निराशा नहीं दिया जा सकता और न ही हां कि जा सकती है मैंने एक दम सोच विचार कर उत्तर दिया।

'तुम्हारा नाम वेटिंग लिस्ट में है। नौकरी तो यही लग जाएगी अभी कुछ अड़चनें हैं।"

हुआ यह कि पहले तो किसी और व्यक्ति को चुना लिया गया जो कि सिफारशी तो था मगर योग्य नहीं। बाद में बड़े आफीसर ने खोज बीन की और चुनाव करने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाले को भला बुरा कहा। ठीक एक महीने बाद रमेश कुमार को पत्र आया कि तुम्हारी नौकरी लग गई है।

इसी प्रकार एक लड़की ने हायर सैकेण्डरी की परीक्षा के बारे में पूछा उसका ० आता था। अतः उत्तर मिला कि तुम पास तो इसी वर्ष हो जाओगी, मगर रिजल्ट में जरूर कुछ रुकावट होगी। वह लड़की फेल न होकर कम्पार्टमेन्ट आई। एक अन्य लड़की ने भी यही प्रश्न किया। उसका उत्तर भी ० में आया, लेकिन उसे मैंने "रिजल्ट लेटर आन" कहा।

यहाँ पर लड़की की अन्य बातों की ओर भी ध्यान दिया। क्या वह फेल हो सकती है? क्या वह अयोग्य है? अगर नहीं तो फिर ० क्यों आया? इसलिए सोच विचार कर यही अन्दाजा लगाया कि किसी कारण वश "रिजल्ट लेटर आन" ही हो सकता है।

एक लड़के ने पूछा क्या मैं B. A. कर लूंगा? उत्तर मिला नहीं। वह लड़का निराश होकर कहने लगा क्या मैं जीवन भर B. A. नहीं कर पाऊंगा? मैंने सोच समझ कर उत्तर दिया। नहीं इसका अर्थ यह कदापि नही। हाँ

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यह हो सकता है कि तुम १९७६ या ७७ तक B. A. न कर सको। बाद में मुझे मालूम पड़ा कि अचानक ही उसके पिताजी का स्वर्गवास हो गया और उसे एक दम नौकरी करनी पड़ी और B. A. की परीक्षा, योग्यता के बावजूद भी वह १९७६ में न दे सका।

अतः प्रश्नों का उत्तर देते समय बुद्धि द्वारा काम लेते हुए, मनोवैज्ञानिक तथ्यों का अवश्य ध्यान रखना चाहिए।

कुछ लोग "सर नेम" से ही प्रसिद्ध होते हैं। बाकी नाम को वे केवल छोटे रूप में लिखते हैं जैसे B. D. Sharma, R. D. Varma, K. C. Lap ha तो इनका मूलांक या एक अंक छोटे नाम से नहीं निकाला जाना चाहिये। जैसे कई लोग इस प्रकार निकालते है :—

R. D. Varma
९ ४ ४ १ ९ ४ १ = ३२

यह मूलांक एक दम गलत है।

किसी को भविष्य बताने के लिए उसका नाम और ठीक 'स्पेलिंग' जानना बहुत जरूरी है।

ऊपर दी गई पद्धति विदेशों से ली गई भले ही कुछ विद्वानों ने इसमें रद्दो बदल कर दी हो।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

फूल के नाम द्वारा प्रश्न बताना

भारतीय ज्योतिष के विद्वान् अपने ही ढंग से प्रश्नों का उत्तर देते थे। प्रश्न कर्त्ता से पूरा नाम पूछ कर वे उत्तर देते थे। फूल द्वारा ज्योतिष बताने की भी दो विधियां हैं।

अंग्रेजी अक्षरों की भांति हिन्दी अक्षरों के भी अंक निकाले जाते हैं। हिन्दी अक्षरों में लघु गुरु अर्थात् छोटी मात्रा वाले (लघु) को यानी एक नम्बर, बड़ी मात्रा वाले को दो नम्बर यानी गुरू माना जाता है आधें अक्षर या बिन्दू का कोई नम्बर नहीं गिना जाता।

विधि पहले नाम और फूल के नम्बर बना लो और फिर उसमें वह तारीख जमा कर लो जिस दिन प्रश्न किया जा रहा हो। फिर ३ पर भाग दे दो। १ बचे तो हाँ। दो बचे तो न और यदि ० बचे तो संदेहात्मक उत्तर दें।

किसी ने प्रश्न किया कि मेरा लड़का खो गया है,

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आयेगा या नहीं ? उसने फूल का नाम लिया—'गेंदा' इस शब्द में गेंदा में 'ग' में 'ए' की मात्रा के कारण इसे गुरू अथवा २ नम्बरी मा जायेगा और 'द' में 'आ' की मात्रा के कारण उसे भी गुरू माना जायेगा।

गेंदा

२ २=४

प्रश्न कर्त्ता का नाम द्वारका दास

२ १ २ २१=८

तारीख =४

३) १६ (५

१५

१

उत्तर मिला तुम्हारा लड़का जल्द ही वापिस आने वाला है। यहाँ 'द्वारका' के 'द्वा' में आधा 'व' भी मौजूद है मगर उसका नम्बर नहीं लगाया गया, लेकिन साथ में बड़े आ की मात्रा के कारण दो नम्बर लगाए गए हैं।

लघु या एक नम्बर—अ, उ, इ

गुरु या दो नम्बर—आ, ऊ, ए, ऐ, ई

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

'ऊपर चढ़े 'र' के पाँव में पड़े 'र' के या अन्य किसी आधे अक्षर के नम्बर नहीं होते।

उर्मिला देवी ने प्रश्न किया क्या मेरा मकान बनेगा ?

उर्मिला देवी

१ १ २ २ २ = ८

फूल का नाम कमल १ १ ३ = ३

तारीख = ४

३) १५ (५

१५

०

उत्तर मिला मकान बन तो जायेगा, लेकिन अभी देर है कुछ समय बाद बनेगा। उसमें कुछ अड़चनें भी आ सकती हैं।

प्रेम प्रकाश ने पूछा मेरा लड़का होगा या लड़की। अब इसमें कुछ दिमाग लड़ाना पड़ेगा। सभी लोग लड़के को ही पसन्द करते हैं अतः एक बचा तो लड़का होगा और दो बचे तो लड़की होगी। कई बार ऐसा भी हो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जाता है कि कुछ लोगों के घर में लड़कों की अधिकता होती है और लड़की एक भी नहीं होती अतः वहां पर लड़की के लिए ही १ बचना चाहिए । उत्तर देने का आसान तरीका यही है कि प्रश्न कर्त्ता की इच्छा जान कर ही उत्तर दो ।

प्रेम प्रकाश ने लड़की का ही प्रश्न किया ।

प्रेम प्रकाश

२ १ १ २ १=७

फूल का नाम चमेली

१ २ २=५

तारीख =१२

१) २४ (८

२४

०

यहाँ पर ० बचा । अब समस्या हो गई कि ० का यहाँ पर क्या अर्थ लगाया जाए ? मैंने साफ कह दिया भई या तो 'तुम्हारा अधूरा बच्चा जायेगा जिसका पता नहीं चलेगा कि लड़का है या लड़की" या फिर जुड़वां बच्चे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

होंगे। सचमुच उसके दो बच्चे हुए एक लड़का और एक लड़की।

विश्वेश्वर नाथ ने प्रश्न किया मेरा खोया हुआ धन मिलेगा ?

विश्वेश्वर नाथ

१ २ १ १ २ १ = ८

इस नाम में दो आधे "श" मौजूद हैं, मगर उनके नम्बर नहीं लगायें।

नाम के अंक = ८

फूल का नाम चम्पा

१ २ = ३

तारीख = ३

३) १४ (४

१२

२

उत्तर मिला आपका खोया हुआ धन कहीं मिलेगा।

फूल द्वारा दूसरी विधि।—जो लोग ज्योतिषशास्त्र

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

का पूरा ज्ञान रखते हैं वह फूल के नाम को राशि की संज्ञा देकर फलादेश बोलते हैं। और किसी राशि पर पड़े उस समय के ग्रहों के प्रभाव को देखकर प्रश्न का उत्तर दे देते है।

यह विद्या मेरे दादा जी भी प्रयोग में लाते थे और मेरे अन्य सम्बन्धी जो दादा जी के निकट रहे, वह भी इस विद्या को प्रयोग में लाते थे।

एक बार किसी ने उनसे प्रश्न किया कि आज कल "मैंने आफिस में केस किया हुआ है, सफलता मिलेगी ?"

उसने फूल का नाम ले लिया 'कमल' उसे उत्तर निराशाजनक ही मिला। क्योंकि 'क' अक्षर मिथुन राशि के अन्तरगत आता है और उस समय इस राशि पर भयंकर 'साढ़ सत्ती' थी। साढ़ सत्ती का वर्णन आगे कुण्डली द्वारा प्रश्न जानने की विधि में दिये हैं। साढ़सत्ती में ग्रसित राशियों का फल प्रायः निराशाजनक ही होता हैं।

इसी प्रकार मैंने भी एक प्रश्न किया कि मुझे ज्योतिष में या पुस्तकों में सफलता मिलेगी ? गलती से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मैंने भी फूल का नाम 'कमल' ही लिया, पर मुझे निराशाजनक उत्तर नहीं मिला क्योंकि अगस्त, १९७७ में मिथुन राशि पर साढ़ सत्ती एकदम खत्म हो जाएगी तथा जुलाई से दिसम्बर तक गुरु मिथुन राशि में ही रहेगा। अतः ज्योतिषी जी ने आंखें मूंद कर ही उत्तर दे दिया कि "१९७७ तुम्हारे लिए बहुत उत्तम है।"

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

योग सिद्धि द्वारा भविष्य ज्ञान

कुछ विद्वान् लोग योग सिद्धि द्वारा अपनी ज्ञानेन्द्रियों को जगा लेते हैं। ऐसे व्यक्तियों को स्वर और साँस का पूर्ण ज्ञान रहता है। इस विषय में विस्तृत पुस्तकें उपलब्ध हैं। यहां केवल ज्योतिष का थोड़ा-सा विवरण दिया जा रहा है।

भविष्य बताने वाला व्यक्ति सुबह नहा धोकर, इष्ट देव की उपासना करके पवित्र मन से गद्दी पर बैठे। जब कोई प्रश्न करने आये तो फौरन ही उपने इष्ट देव का ध्यान करे। बाद में इस बात पर ध्यान दे कि प्रश्न कर्ता किस दिशा में आकर बैठा है। भविष्य वक्ता इस बात पर अच्छी प्रकार ध्यान दे कि उस वक्त जब कोई व्यक्ति प्रश्न कर रहा है श्वास नासिका के कौन से छिद्र से चल रही है ? यदि प्रश्न कर्ता ज्योतिषी की बाईं नासिका की ओर बैठा है और श्वास भी बाईं

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

नासिका से ही निकल रहा है तो फौरन ही कार्य सिद्धि का ही जवाब दे दें। यदि श्वास विपरीत दिशा से आ रहा हो, अर्थात् व्यक्ति दाइं ओर आकर बैठा है और प्रश्न करता बाईं ओर बैठा है तो कार्य पूर्ण होने में सन्देह माना जाएगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पासा डालकर भविष्य जानना

कुछ सरल और कम पढ़े लिखे पंडित जो परम्परागत गद्दी की वजह से ज्योतिषी बन जाते हैं। वह भी कुछ न कुछ भविष्य बता ही देते हैं। जिनका उत्तर शत प्रतिशत भले ही ठीक न हो फिर भी वे काम चला लेते हैं। उनके कुछ तरीके इस प्रकार हैं।

पासा बनाकर—'लूडो' की गोटी की तरह एक पासा बना लिया जाता है। उस पर 'अ 'ब' 'ज' 'द' लिख देते हैं। और उसे एक मन्त्र का उच्चारण करके तीन बार फैंकते हैं जो जो अक्षर आता है उसका एक शब्द बना लेते हैं। हर एक शब्द का कोई न कोई उत्तर होता है।

मन्त्र "ॐ नमो भगवती कुमांडिनी देवि सर्व कार्य प्रसादिनी सर्व निमित्त एहि-एहि वरदे हिलि-हिलि मातङ्गिनी सदगं ब्रहि स्वाहा।"

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जैसे—(१) अ अ अ—मन में धीरज रखो काम सिद्ध होगा।

(२) अ अ ब—कार्य पूर्ण होने में थोड़ा सन्देह है।

(३) अ अ ब—जिस कार्य को सोचा है वह पूर्ण नहीं होगा कोई दूसरा रास्ता सोचो।

(४) अ ब ब—जिस कार्य को आपने सोचा है उसकी कार्यसिद्धि बड़ी मुश्किल से होगी। गायत्री का पाठ करो।

(५) अ ब ब—समाज में मान भी मिलेगा और लक्ष्मी भी।

(६) अ ब अ—जिसे तुम मित्र समझते हो वह शत्रु है। सावधानी से काम करो। किसी विशेष शक्ति के सहयोग से काम सिद्ध होगा।

(७) अ ब ज—अपनी इच्छा शक्ति से काम करो। सुनो सबकी करो मन की अवश्य सफलता मिलेगी।

(८) अ ब अ—कार्य सिद्ध होगा।

(९) अ अ ब—कार्य सिद्धि देर से होगी।

(१०) अ अ ब—कुसंगति के कारण तुम्हारी बुद्धि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भ्रष्ट है अतः कार्य सिद्ध नहीं होगा।

(११) अ ब अ---राम का सुमिरन करो सफलता मिलेगी।

(१२) अ ज ज—अच्छे मनुष्यों का संग करो फल मिलेगा।

(१३) अ ब ब—शत्रु तुम्हारे कार्य में बाधक है प्रभु पर भरोसा रखो काम बन जाएगा।

(१४) अ अ ज—कार्य कठिन है बड़ी मुश्किल से बनेगा।

(१५) अ ज अ—कार्य पूर्ण होगा।

(१६) अ ज ब—भ्रम दूर करो कार्य अवश्य होगा।

(१७) ब ब ब—इष्टदेव की पूजा करो तभी कार्य सिद्ध होगा।

(१८) ब ब अ—किसी के झांसे में मत आओ। जो मित्र हैं पीछे तुम्हारे शत्रु है, अतः मन से कम करो फल मिलेगा।

(१९) ब ब ज---जहां चाहते हो जाओ, फल मिलेगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

(२०) ब द द— उपाय करो फल मिलेगा।

(२१) ब ज ब—चंचल मन पर काबू पाओ, सन्देह को दूर करो, अवश्य फल मिलेगा।

(२२) ब ब द—सम्बन्धियों से लाभ मिलेगा।

(२३) ब ब द—बन्धु पर आश्रय न कर प्रभु पर करो सफलता मिलेगी।

(२४) ब ज द—धन का प्रश्न है धन प्राप्त होगा।

(२५) ब द ज कार्य में कुछ-कुछ सफलता मिलेगी।

(२६) ब ज अ—कार्य कठिन है इसे आरम्भ मत करो।

(२७) ब अ ब—पांचों से मिलकर कार्य होगा। शत्रु बुरा चाहता है, पर उसकी हार होगी।

(२८) ब ब अ—धीरे-धीरे कार्य करो हठ करने से हानि होगी।

(२९) ब अ ज—कार्य मत करो सफलता नहीं है।

(३०) ब अ अ—कार्य सफल होगा, मगर देर से।

(३१) ब अ द—मनमानी छोड़ दो। दत्तचित होकर कार्य करो जल्दी सफलता मिलेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

(३२) ब ज ज— ईश्वर का ध्यान करो, सफलता मिलेगी।

(३३) ब ब ब—मित्र सहयोग और मेहनत से फल मिलेगा।

(३४) ब ज द—जो जानना चाहते हो वह अवश्य जानोगे।

(३५) द द ज—इस कार्य का विचार छोड़ दो, कठिन है।

(३६) द द अ कार्य सिद्धि भाग्य पर छोड़ दो।

(३७) ब ज अ—शत्रुओं की बाधा है, कार्य संघर्ष से सिद्ध होगा।

(३८) ब अ अ—भाग्य खुलने वाला है, लक्ष्मी और पुत्र की प्राप्ति होगी।

(३९) द ब द—कार्य विरोध व वैर भाव से सिद्ध होगा। प्रेम भाव रखना जरूरी है।

(४०) द अ द—कर्म करो, फल मिलेगा।

(४१) द द ब—शत्रु बाधक है, पूर्ण सफलता नहीं मिलेगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

(४२) द ज ब—इस कार्य को छोड़कर अन्य कार्य करो, धन, यश, सन्तान तीनों का लाभ होगा।

(४३) द ब ज—कार्य सिद्धि होगी।

(४४) द अ ज—मन को पवित्र बनाओ तभी सफलता मिलेगी।

(४५) द ब अ—उद्यम एवं शुभ कार्य करो, अवश्य सफल होगे।

(४६) द अ ब—तुम्हें एक ऐसी वस्तु मिलेगी जिससे जिससे अच्छा मार्गदर्शन होगा।

(४७) द ब ब—क्षेत्र पाल की पूजा करो, सफलता मिलेगी।

(४८) द ब द—जप, पूजा पाठ करो, अवश्य सिद्धि होगी।

(४९) ज ज ज—दिन प्रतिदिन प्रगति होगी।

(५०) ज ज द—इष्ट देव का स्मरण करो, सफलता मिलेगी।

(५१) ज द द- शत्रु बली है, ध्यान से कार्य करो कार्य सिद्ध होगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

(५२) ज व ब—प्रभु पूजा से काम बनेगा।

(५३) ज व द—मित्र कपटी हैं, उन्हें त्याग कर कार्य करो तभी काम ठीक होगा।

(५४) ज ज ब—अब भले दिन आ गये हैं, इच्छा पूरी होगी।

(५५) ज द ज—जप करने से कार्य सिद्ध होगा।

(५६) ज अ ब—प्रभु की आशा रखो, अवश्य सफलता मिलगी।

(५७) ज ब ज—धीरज से काम लो, जल्दी काम बनेगा।

(५८) ज ज ब—भ्रम छोड़कर उद्यम करो अवश्य सफलता मिलेगी।

(५९ ज ज अ—भले ही पहले उद्यम से फल नहीं मिला अब अवश्य मिलेगा।

(६०) ज द अ—कार्य जहरीला है भगवान् के सहारे छोड़ दो।

(६१) ज ब ब—कार्य प्रभावशाली नहीं जब तक मेहनत करोगे फल मिलेगा, रुक जाओगे तो फल नहीं

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मिलेगा।

(६२) ज अ ज—अति कष्ट से कार्य बनेगा, क्योंकि शत्रु बाधक हैं।

(६३) ज ब अ—काम बनकर बिगड़ जाता है। धीरज मत छोड़ो, गायत्री का जाप करो।

(६४) ज ब ब—यह कार्य कठिन है।

पासे के अंकों द्वारा उत्तर

इसके अतिरिक्त कुछ लोग अंक बुलवाने का प्रयोग भी करते हैं वे प्रश्न कर्ता को कहते हैं १ से ६१ अंक के बीच में कुछ भी सोच लो साथ ही भगवान् का स्मरण करने को भी कहते हैं, फिर सोचे हुए अंक को पूछ कर कुछ न कुछ उत्तर देते हैं। चार्ट अगले पृष्ठ पर देखें। पृष्ठ ४३ पर बताए अ ब ज द अक्षरों से तीन-तीन अक्षरों के समूह को ऊपर लिखित अक्षरों के अंकों का फल निम्नलिखित बताया जाता है।

१. अचानक ही तुम्हारे मन की मुराद पूरी होगी।

२. जल्द ही भाग्य उदय होने वाला है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१. अ अ अ	२. अ अ द	३. अ ज द	४. अ ब द
५. अ द ब	६. अ ब अ	७. अ ब ज	८. अ द अ
९. अ अ ब	१०. अ द द	११. अ द ब	१२. अ ज ज
१३. अ ब ब	१४. अ अ ज	१५. अ ज अ	१६. अ ज ब
१७. ब ब ब	१८. ब ब अ	१९. ब ब ज	२०. ब द ब
२१. ब ज ब	२२. ब ब द	२३. ब द द	२४. ब ज द
२५. ब द ज	२६. ब ज अ	२७. ब ब अ	२८. ब द अ
२९. ब अ ज	३०. ब अ अ	३१. ब अ द	३२. ब ज ज
३३. द द द	३४. द ज द	३५. द द ज	३६. द द अ
३७. द ज अ	३८. द अ अ	३९. द ब द	४०. द अ द
४१. द द ब	४२. द ज ब	४३. द ब ज	४४. द अ ज
४५. द ब अ	४६. द अ ब	४७. द ब ब	४८. द ज ज
४९. ज ज ज	५०. ज ब द	५१. ज द द	५२. ज द ब
५३ ज ब द	५४. ज ज ब	५५. ज द ज	५६. ज अ द
५७. ज ब ज	५८. ज अ ब	५९. ज ज अ	६०. ज द अ
६१. ज ब ब	६२. ज अ ज	६३. ज अ ब	६४. ज अ अ

———

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

३. अवांच्छनीय स्थान से फल की प्राप्ति होगी।

४. परेशान मत होइए जल्द ही सोचा हुआ काम पूरा होगा।

५. खुशी का समय नजदीक है धीरज रखिए।

६. कुछ देर के पश्चात् भाग्योदय होगा।

७. तुम्हारी प्रगति अवश्य होगी, प्रभु-पूजा कीजिए।

८. तुम्हारे भाग्य में कमी नहीं मगर देर अवश्य है।

९. कुछ भी करने से पहले सोचे शायद धोखा न मिल जाए।

१०. यह समय अच्छा नहीं है, जल्दी ही ठीक होगा।

११. तुम्हारा जीवन अब तक संघर्षमय रहा है। आगे ऐसा नहीं रहेगा।

१२. दूसरों पर विश्वास न करो, प्रभु ठीक करेंगे।

१३. मुश्किलों का हल अपने आप निकल आएगा।

१४. सोचे हुए काम में कुछ रूकावटें आएंगी।

१५. जीवन में ऐसी ठोकरें आएगी जो तुम्हारी विचार धारा को एक दम बदल देगी।

१६. भाग्योदय में कुछ देरी है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

१७. आने वाला समय निश्चय ही पहले से बेहतर होगा।

१८. परेशान मत होइए सभी दिन एक जैसे नहीं

१९. परिश्रम करो, फल मिलेगा।

२०. किसी व्यक्ति की सहायता से भाग्योदय होगा।

२१. तुम्हारी स्थिति कुछ ही दिनों में ठीक हो जाएगी।

२२. जल्द ही शुभ समाचार मिलने वाला है।

२३. फिल हाल समय अच्छा नहीं, परन्तु निकट भविष्य में अच्छा होने की सम्भावना है।

२४. कुछ समय बाद तुम्हारी मनोकामना पूरी होगी।

२५. किसी की मदद से तुम्हारी प्रगति होगी।

२६. फिजूल समय बरबाद मत करो मेहनत करो, भगवान भले करेगा।

२७. हालात से मत घबराओ, हालात भयंकर नहीं हैं।

२८. अच्छा यही है कि तुम किसी को टोककर झगड़ा मोल मत लो।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

२९. जिस मार्ग पर तुम चल रहे हो यह अच्छा नहीं।

३०. इच्छा शक्ति सुदृढ़ करो अवश्य सफल होवेगे।

३१. मेहनत जारी रखो फल की चिन्ता भगवान करेगा।

ऊपर दिये गये प्रश्नों के उत्तर या भाग्य बताने के साधन कोई विशेष और ठोस आधार नहीं रखते। यह बातें ऐसी हैं जिनका सम्बन्ध मनुष्य की भावना और श्रद्धा से जुड़ा हुआ है। यह भविष्य बताने के उपाय कुछ इस प्रकार हैं जिनकी नींव केवल विश्वास है। लोगों ने भगवान् देखा नहीं, लेकिन वे भगवान् में पूर्ण आस्था रखते हैं। कुछ साधु लोग थोड़ी सी भभूति देते हैं और लोग उसे ही सब कुछ मान कर सर आंखों में लगा देते हैं। जब विश्वास द्वारा पत्थर से भगवान प्रकट हो जाता है, सारा संसार किसी ने किसी आस्था और विश्वास में जी रहा है तो फिर इन प्रश्नोत्तर में कुछ नहीं मिलेगा ? अवश्य मिलेगा। यदि प्रश्न कर्ता का मन साफ हो, पूर्ण विश्वास हो और मन में प्रभु का स्मरण हो तो निश्चय ही उसके

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सोचे हुए फल का उत्तर ठीक मिलेगा। चाहे प्रश्न बताने वाला किसी भी विधि का प्रयोग करे।

हमारे पुराने लोग रामायण का अधिक प्रयोग करते थे और आज भी वे कोई बात करने से पहले रामायण या अन्य किसी इष्ट देव का सहारा लेते हैं।

———

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

श्री राम शलाका प्रश्नावली

सु	प्र	उ	वि	हो	मु	ग	व	सु	नु	वि	घ	घि	इ	द
र	रु	फ	सि	सि	रे	वस	है	मं	ल	न	ल	य	न	अं
सुज	सो	ग	सु	कु	म	स	ग	त	न	ई	ल	घा	वे	नो
त्य	र	न	कु	जो	न	रि	र	र	अ	की	हो	सं	रा	य
पु	सु	ध	सी	जे	इ	ग	म	सं	क	रे	हो	स	स	नि
त	र	त	र	स	इ	ह	द	ब	प	चि	स	य	स	तु
म	का	ा	र	र	मा	मि	मी	म्हा	ा	जा	हू	हीं	ा	जू
ता	रा	रे	री	ह	का	फ	खा	जि	ई	र	रा	पू	द	ल
नि	को	मि	गो	न	म	ज	य	ने	मनि	क	ज	प	स	ल
हि	रा	म	स	रि	ग	द	न	प	म	खि	जि	मनि	त	जं
सि	मु	न	न	को	मि	ज	र	ग	धु	ख	सु	का	स	र
गु	क	भ	अ	घ	नि	म	ल	ा	न	व	ती	न	रि	भ
ना	पु	व	अ	ढ	र	ल	का	ए	तु	र	न	नु	व	थ
सि	ह	सु	म्ह	रा	र	स	हि	र	त	न	प	ा	जा	ा
र	म	ा	ा	ला	वी	ा	री	ज	हू	हीं	पा	जू	ई	रा	रे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यह विधि आज भी बहुत से घरों में प्रचलित है। श्री रामचन्द्र जी का मन में ध्यान धर कर सात बार उनका मन से शुद्ध नाम लेकर नीचे दिए चार्ट में किसी एक अक्षर पर हाथ धर दें।

प्रश्न बनाने की विधि

प्रश्न कर्ता से ऊपर दिये गए चार्ट में किसी एक अक्षर पर हाथ रखवायें। उस अक्षर को एक कागज पर नोट कर लें, फिर उस अक्षर से हर नौंवा अक्षर भी पहले अक्षर के साथ लिखते जाएं इस प्रकार एक चौपाई सी तैयार हो जाएगी फिर नीचे दी गई चोपाई और दिये अर्थ को और उत्तर को भी पढ़ ल प्रश्न का उत्तर फौरन मिल जाएगा।

जैसे :—किसी ने पहली लाईन के सातवें खाने पर हाथ रहा वहां पर लिखा हुआ है 'ग' 'ग' को एक कागज पर लिख कर उससे आगे के अक्षर का नौवा अक्षर 'र' लिखते हुए इस प्रकार जोड़ते जाएं तो निम्नलिखित चौपाई बन जाएगी :—

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

गरल सुधा रिपु करय मिताई,
गोपद सिंधु अनल सितलाई।

यह चौपाई उस समय को है जब हनुमान जी ने लंका मे प्रवेश किया था।

इस प्रश्न का फल है :—

प्रश्न बहुत श्रेष्ठ है फल अति शुभ होगा। यह चौपाइयां कुल आठ है जिनका व्यौरा इस प्रकार है।

१. होइ है सोई जो राम रुचि राखा
को करितरक बढ़ावसि सा षा।

यह चौपाई शिव और पार्वती संवाद से सम्बन्धित है और 'बालकाण्ड' से ली गई है।

जिस व्यक्ति की यह चौपाई बनती हो, उसे कहें कि इस कार्य में विशेष सिद्धि नहीं अतः इसे भगवान् पर ही छोड़ दें।

२. सुनु सिय सत्य आसीस हमारी।
पूजहि मन कामना तुम्हारी।

जैसा कि चौपाई से ही मालूम पड़ रहा है कि प्रश्न कर्ता के मन की इच्छा पूर्ण होगी।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यह चौपाई भी बालकाण्ड से ही ली गई है। इस समय सीता गौरी पूजन कर रही है और गौरी जी उन्हें आर्शीवाद दे रही हैं।

प्रश्न श्रेष्ठ है, कार्य सिद्ध होगा।

३. प्रविसि नगर कीजे सब काजा,
हृदय राखि कोसल पुर राजा।

यह चौपाई सुन्दर काण्ड से ली गई है। जबकि हनुमान जी राम का नाम लेकर लंका में प्रवेश करते हैं।

इसका अर्थ यह हुआ :—

कि प्रश्न करता भगवान् का नाम हृदय में धारण करके, कार्य आरम्भ करे उसे अवश्य हनुमान जी की भांति सफलता मिलेगी।

४. उधरें अन्त न होइ निबाहू
काल नेमि जिमि रावन राहू।

यह चौपाई सृसङ्ग के प्रंसग में है और वाल काण्ड से ली गई है :—

कि काल वैसे तो सब को काम नहीं करता परन्तु दुष्ट जनों का अन्त बुरे ढंग से होता है उनका उद्धार

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कभी नहीं होता ।

प्रश्न कर्ता भी पहले अपने कारनामों को सुधा
अच्छी संगति में जाये तभी उसका कल्याण है । फि
हाल उसके कार्य की सिद्धि नहीं हो सकती ।

५. इसी प्रकार चक अन्य चौपाई भी बाल काण्ड से
ही ली गई है । जो संगति के विषय में है ।

विधि वस सुजन कुसंगत परहीं
फनि मनि सम निज गुन अनुसरहीं ।

किसी कारण से या संयोग वंश जब अच्छे मनुष्य
किसी कुसंगति में पड़ जाते हैं, वे अपनी महत्ता खो देते
हैं ।

अतः प्रश्न कर्ता पहले मनुष्यों का संग छोड़ दे तभी
सफल होगा ।

६. मृदु मंगलमय सन्त समाजू
जिमि जंग जंगम तीरथ राजू ।

यह चौपाई भी बाल काण्ड की है संत जनों को
तीर्थ स्थान जैसा सुख देने वाला कहा है ?

अतः प्रश्न कर्ता किसी साधु या सज्जन का सहयोग

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

लेकर कार्य करे, अवश्य सफल होगा।

७. गरल सुधा रिपु करय मिताई
गोहद सिंधु अनल सितलाई।

यह चौपाई हनुमान के लंका-प्रवेश के समय की है।

उत्तर :—फल :—प्रश्न उत्तम है, कार्य सिद्ध होगा।

८. सुफल मनोरथ होइ तुम्हारे
राम लखन सुनि भए सुखारे।

यह चौपाई बाल काण्ड की है इसमें विश्वामित्र जी आशीर्वाद दे रहे हैं।

अतः प्रश्नकर्ता का प्रश्न उत्तम है। कार्य अवश्य सफल होगा।

उपरोक्त पद्धति श्रद्धालु जनों के लिए एक दम उपयुक्त है। लेकिन ज्योतिष पद्धति का इससे कोई सम्बन्ध नहीं।

———

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

केरल प्रश्न विधि

वैसे तो केरल पद्धति द्वारा ज्योति का विस्तृत वर्णन अलग पुस्तकों में वर्णित है। यहां थोड़े से शब्दों में केरल पद्धति की जानकारी दे रहे हैं। उससे प्रश्न निकालने विधि भी बता रहे हैं।

जब कोई व्यक्ति आकर प्रश्न करे तो उस समय बड़े ध्यान से उसके मुख से निकले वाक्यों को कापी या स्लेट पर लिख लो और उसका पिण्ड बना लो। (पिण्ड का विवरण आगे दिया है) यदि पहले बोले वाक्य समझ में न आए तो प्रश्न कर्त्ता का वर्ण जानकर उसके अनुसार उससे किसी फूल, नदी या फल का नाम कहलवा कर उसका ही पिण्ड बनायें।

पिण्ड किसे कहते हैं ?

पिण्ड नाम से ऐसा ज्ञात होता है कि हो सकता है कि पिण्ड कोई खाने पीने की कोई वस्तु होगी। मगर केरल विद्या में पिण्ड बनाने का अर्थ ऐसा नहीं। प्रश्नकर्

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जिस फल, फूल या नदी का नाम लेता है या जो वाक्य मुख से बोलता है उन अक्षरों को अंकों में बांट कर, उनको जमा कर एक पिण्ड का या समूह का रूप देने को ही पिंड कहते हैं।

स्वरों और व्यंजनों के अंक इस प्रकार हैं :—

स्वरों के अंक	अ १२	आ २१	इ ११	ई १८	उ १५	ऊ २२	ए १८	ऐ ३६	ओ २५	औ १९	अं २५

व्यंजनों	क १३	ख ११	ग २१	घ ३०	ङ १०
या	च १४	छ २२	ज २३	झ २६	ञ २६
अक्षरों	ट १०	ठ १३	ड २२	ढ ३५	ण ४५
के अंक	त १४	थ १८	द १७	ध १४	न ३५
,,	प २८	फ १८	ब २६	भ २७	म ८६
,,	य १६	र १३	ल १३	व ३५	श ३६
,,	ष ३६	स ३८	ह १२	० ०	० ०

पिण्ड बनाने की विधि—

प्रश्न कर्त्ता जब आकर कोई अचानक प्रश्न करे तो उसके बोले गए वाक्य को बड़े ध्यान से सुनो और नोट

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

करो और उनका वर्गीकरण कर दो अर्थात् उस वाक्य के स्वर और व्यंजन दोनों को अलग-अलग कर दो और उनके अंक को ऊपर दिये गये चार्ट से नोट कर लो और सभी स्वरों और व्यंजनों के अंकों को जमा कर दो, बस इसी जमा किये गये अंकों को 'पिण्ड' कहते हैं

उदाहरण—किसी ने आते ही प्रश्न किया 'मेरा बेटा आ जायेगा ?

इस वाक्य के स्वर और व्यंजन इस प्रकार बनेंगे। हर एक अक्षर में स्वर मौजूद होता है।

जैसे—म+ए+र+आ, ब+ए+ट+आ, आ, ज+आ+ए+ग+आ।

ऊपर दिये गये चार्ट से पता चला कि म ८६, ए १८, र १३, आ २१, ब २६, ए १८, ट १०, आ २१, आ २१ ज २३, आ २१, ए १८, ग २१, आ २१, इन सभी अंकों का जोड़ बनता है ३६८। बस ३६८ को ही पिण्ड कहते हैं।

परन्तु कई बार बोले गये वाक्य ध्यान में नहीं रहते या समझ में नहीं आते, तब फूल फल आदि का नाम बुल-

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाना चाहिए। नाम बुलवाने से पहले उसका वर्ण पूछ लें, कि प्रश्न कर्त्ता ब्राह्मण है या शूद्र है क्षत्रिय है या वैश्य है। उसके वर्ण के अनुसार ही नाम बुलवायें। प्रश्नकर्ता शूद्रसे फल का नाम कहलायें और फिर उस नाम का पिण्ड बनवायें।

जैसे :—शूद्र ने फल का नाम लिया

'केला'

इसका पिण्ड इस प्रकार बनेगा

क+ए+ल+आ

क १३

ए १८

ल १३

आ २१

पिण्ड ४५

यदि प्रश्न सर्वसाधारण हो कि जो बात मेरे मन है वह पूरी होगी या नहीं तब तो पिण्ड में ३७ अंक जोड़कर तीन से भाग करें। यदि १ बचे तो सोचे हुए प्रश्न में

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पूर्ण सफलता है। यदि २ बचें तो काफी अड़चनों के बाद कार्य सफल होगा यदि ० बचे तो कार्य बिल्कुल सिद्ध न होगा, ऐसा समझना चाहिए। ऊपर किए गए प्रश्न का उत्तर देखें—

पिण्ड के अंक ४५

विधान के अंक ३७

३)८२(२७

६

२२

२१

१

उपरोक्त प्रश्न का उत्तर आया कि प्रश्न कर्त्ता का बेटा निश्चय ही आयेगा।

विधान के भी प्रत्येक प्रश्न के लिए ३७ नहीं हों तो हर एक प्रश्न के अलग-अलग अंक पिण्ड में जोड़ने पड़ते हैं। कुछ प्रश्नों की विधियाँ नीचे दी जा रही हैं। जैसे—

१. मुझे इस कार्य में लाभ होगा अथवा नहीं ? इस प्रश्न के अनुसार पिण्ड में ४२ अंक विधान के जोड़ने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पड़ते है। शेष विधि साधारण प्रश्न की भांति है।

२. कौन से कार्य से लाभ हो सकता है ?

इस प्रश्न में और कुछ नहीं जोड़ना पड़ता। केवल पिण्ड को तीन से भाग देना पड़ता है यदि एक बचे तो कृषि में, २ बचें तो व्यापार में तथा ० बचे तो नौकरी से लाभ हो सकता है।

३. मेरा अमुक स्थान को जाना ठीक है या नहीं ?

प्रश्क कर्त्ता के अनुसार जो पिण्ड बने उसमें ३३ अंक विधान के और जोड़ दो और तीन पर भाग दो। यदि एक बचे तो जाने में लाभ, २ बचें तो जाना असम्भव, यदि ० बचे तो हानि होगी।

४. मेरे भाग्य में तीर्थ यात्रा है या नहीं ?

पिण्ड में ३८ अंक विधान के जोड़ दें। यदि एक बचे तो तीर्थ यात्रा अवश्य होगी, २ बचें तो मार्ग में कठिनाई, ० बचे तो यात्रा नहीं होगी।

५. मुझे प्रेमी या प्रेमिका मिलेगी या नहीं ?

इसमें केवल पिण्ड बनाकर ४ से भाग करें तो यदि एक बचे तो अवश्य मिले, दो बचें तो वायदे हों, परन्तु

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अधूरे, तीन बचें तो मुश्किल से एक आध बार मिलाप हो और यदि ० बचे तो कभी भी मिलाप न हो।

६. जीवन में विवाह होगा या नहीं ?

प्रश्न कर्त्ता के पिण्ड को आठ से भाग दें। एक बचे तो विवाह जल्दी होगा। २ बचें तो देरी से, तीन बचें तो विवाह असम्भव है। यदि ४ या ५ बचें तो किसी पक्ष की मृत्यु हो जाये। यदि ६ बचें तो प्रश्न करता स्वयं विवाह से इन्कार कर दे। यदि सात बचें तो दोनों की मृत्यु हो जाये। यदि ० बचे तो प्रश्न करता की सगाई टूट जाए।

७. लड़का होगा या लड़की ?

पिंड को तीन पर भाग दें यदि एक बचे तो लड़का। दो बचें तो लड़की और यदि ० बचे तो गर्भ पातहो जायेगा अथवा गर्भ है ही नहीं।

८. चोरी का माल कहां है ?

पिंड बनाये गये अंकों को १२ से भाग करें। यदि शेष एक बचे तो उसी शहर में ही अभी माल है। २ बचें तो खेत में है। ३ बचें तो किसी चौरास्ते पर धन पड़ा मिलेगा। ४ बचें तो तहखाने में। ५ बचें यो किसी छत

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पर, ६ बचें तो जंगल में। ७ बचें तो धन घर में ही मौजूद है। ८ और ९ बचें तो किसी गलत स्थान पर। १० बचें तो किसी कमरे में बन्द है। ११ बचें तो किसी तालाब में धन फेंक दिया गया है।

९. चोरी किया हुआ माल मिलेगा या नहीं ?

प्रश्न पिण्ड को ३ पर भाग दें। यदि १ बचे तो धन प्राप्त होगा। यदि २ बचें तो धन का कुछ हिस्सा दौड़-धूप करने पर और यदि ० बचे तो कुछ भी नहीं मिलेगा।

१०. चोर कैसा है ?

पिंड को ३ पर भाग दें। १ बचे तो चोर गौर-वर्ण, और ऊंचे कद का होगा। २ बचे तो सांवला और मध्यम कद का। यदि शून्य बचे तो चोर का रंग लाल, कद छोटा और नेत्र निस्तेज होंगे।

११. मुकद्दमे में जीत होगी या हार ?

प्रश्न पिण्ड में ३४ अंक विधान के जोड़ दो योगफल को तीन से भाग देवें। १ बचे तो सफलता। २ बचें तो समझौता। और ० बचे तो मुकद्दमे में हार होगी।

उसी प्रश्न की अन्य विधि इस प्रकार है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रश्न कर्त्ता ज्योतिषी के दाहिनी ओर बैठकर प्रश्न करें तो सफल और बाईं ओर बैठकर करे तो असफल होगा। यदि सामने बैठकर करे तो सन्धि हो जायेगी।

१२. रोगी मरेगा या बचेगा ?

प्रश्न पिण्ड को दो से भाग दें यदि एक बचे तो जीवित रहेगा और शून्य बचे तो रोगी मर जाएगा।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रश्नकुण्डली द्वारा भविष्य फल

बिना जन्म पत्री भविष्य बताने की यह विधि अत्यन्त प्रामाणिक है। इसका आधार यह है कि जब मनुष्य किसी संकटवश या उत्सुकतावश किसी बात को जानने के लिए तैयार होता है उस समय भी मनुष्य पर ग्रहों का पूरा प्रभाव होता है। वह ज्योतिषी के साथ उस लग्न में जाएगा जिस लग्न में उसके मन में जिज्ञासा या कुछ पूछने की व्याकुलता पैदा होगी। आगे पीछे या तो वह जा नहीं पायेगी। अगर गलती से चला भी जाएगा तो भविष्य बताने वाला या तो इनकार कर देगा, टाल मटोल कर देगा या घर पर ही नहीं मिलेगा।

एक बार एक व्यक्ति मुझसे कोई बड़ा कठिन सा सवाल पूछने आया। जिस समय वह आया उस समय का लगन अच्छा नहीं था। संयोगवश मैं बाथ रूम में थी और वह लौट गया जब दोबारा आया तो लग्न बदल

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चुका था और मैंने उसको जो उत्तर दिया तो बस एक दम ठीक निकला । अगर पहले बताती तो उत्तर गलत मिलता ।

प्रश्न कुण्डली बनाने की विधि :—

जब किसी व्यक्ति के मन में अचानक विचार उठे या वह किसी ज्योतिष के पास जाए । उस समय को लेकर, किसी अच्छे स्थानीय पचांग के पीछे लग्न के शुरू या अन्त होने की साखी से उस समय का लग्न नोट कर उसे पहले घर[1] में रख लें । शेष संख्या को अगले खानों में लिखते जाएं । पंचांग से ग्रहों की स्थिति देख लें । मंगल उस समय कौन सी राशि में है ? बुध कहां है ? उसी राशि में ग्रह लिखते जाएं ।

उदाहरण :—मान लो कोई व्यक्ति १०-११-७६ को रात्रि के ८-३० बजे आता है उस समय लग्न सारिणी में मिथुन लग्न चल रहा है । मिथुन राशि क्रम में तीसरी

---

१. ग्रह, राशि आदि के ज्ञान के लिए डायमण्ड की पुस्तक ज्योतिष विधि देखें ।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

है तो आप प्रथम खाने में मिथुन लग्न की राशि ३ डाल कर शेष राशियां जन्म कुण्डली की भांति लिख दें तो आपकी प्रश्न कुण्डली तैयार हो जाएगी।

१०-११-१९७६

समय रात्रि ८-३०

लग्न मिथुन

प्रश्नकुण्डली

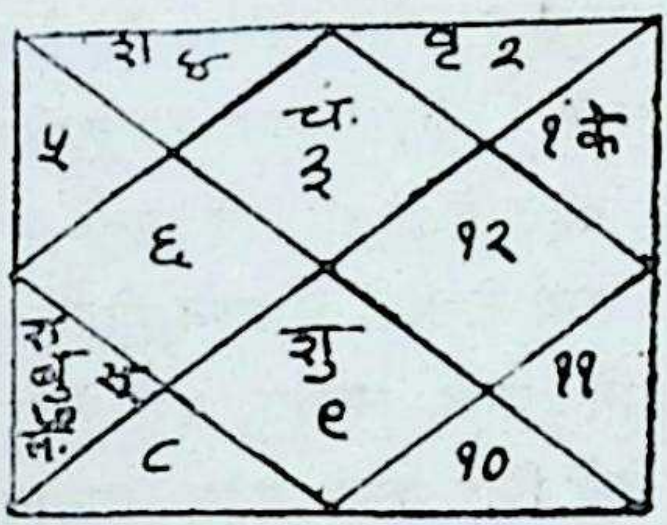

यह तो प्रश्न कुण्डली बन गई।

अब प्रश्न कुण्डली कैसे पढें और आने वाले व्यक्ति को क्या उत्तर दिया जाए ? कुछ लोग तो स्वयं अपना प्रश्न नहीं बताते, बल्कि यह चाहते हैं कि ज्योतिषी ही बताये कि उनके मन में क्या है और वह किस उद्देश्य से प्रश्न पूछने आया है ?

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रश्न कैसे पूछें ?

ज्योतिषी के अन्दर साधारण बुद्धि का होना आवश्यक है। उसे कुछ मनोविज्ञान का ज्ञान भी होना चाहिए।

देशकाल और वातावरण का ध्यान भी अवश्य रखना चाहिए। उसके पश्चात् लग्न की स्थिति और प्रश्न कुण्डली के बारह भावों की ओर ध्यान देना चाहिए लग्न तथा लग्नेश पर क्या प्रभाव है ? और सबसे दोषी भाव कौन सा है ? जिस भाव पर लग्नेश का प्रभाव हो वह उस पर बहुत से क्रूर भाव ग्रहों का प्रभाव हो तो उसी घर या भाव के बारे में प्रश्न होगा।

पहले आने वाले व्यक्ति का चेहरा देखें। फिर उसकी आयु देखें फिर उसके घरेलू वातावरण को जानें। फिर सोंचे कि प्रश्न क्या हो सकता है ? उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति की आयु २५-६-३० वर्ष की है और उसका चेहरा न उदास है, न प्रसन्न है। प्रश्न कुण्डली में पांचवा भाव खराब है। तो प्रश्न लगभग सन्तान का ही होगा। वैसे तो विद्या, लाटरी आदि का घर भी पांचवा है, लेकिन यह साधारण बुद्धि है कि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

३० वर्ष की आयु का व्यक्ति विद्या के बारे में कम ही पूछेगा। यह आयु उसकी सन्तान पैदा करने की है। या सन्तान पर कोई कष्ट है। घरेलू बातें जानने के लिए यह अवश्य पूछ लें कि आपकी शादी हो चुकी है या नहीं।

४० और ५० वर्ष की आयु वाले व्यक्ति का प्रश्न सन्तान के भविष्य सम्बन्धी हो सकता है। यदि सन्तान के भविष्य का प्रश्न हो तो व्यक्ति का चेहरा निराशा-जनक न होगा। सामान्य ही होगा। यदि सन्तान के विवाह सम्बन्धी प्रश्न होगा तो व्यक्ति का चेहरा एक दम ठीक ठाक होगा उसके बात करने का ढंग सही होगा। यदि सन्तान भाग गई हो तो व्यक्ति का चेहरा एक दम निराश और मुरझाया हुआ होगा। यदि अत्यधिक प्रसन्न होगा तो व्यक्ति की यह आशा होगी कि मेरी सन्तान के घर क्या सन्तान होगी ?

यह सब बातें मुख्य तौर से जानी सकती है। मगर यह तरीका सौ फीसदी तो ठीक नहीं, लेकिन बहुत कुछ ठीक है।

प्रश्न जानने के लिए लग्नों की स्थिति जाननी भी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बहुत आवश्यक है। लग्न स्थिर है चर है या द्वि स्वभाव है, प्रश्न धन सम्बन्धी, जीव सम्बन्धी, पशु सम्बन्धी या भूमि सम्बन्धी भी हो सकता है। इन प्रश्नों का सम्बन्ध प्रत्येक भाव[1] से हो सकता है। मान लो चौथा भाव भूमि का भी है और माता का भी। प्रश्न माता का है या भूमि का यह लग्न की स्थिति के अनुसार जाना जा सकता है। मुख्य रूप से लग्नों के अनुसार प्रश्न इस प्रकार हो सकते हैं। [1]मेष लग्न का प्रश्न किसी व्यक्ति के बारे में होता है। [2]वृष में पशु आदि के विषय में, [3]मिथुन लग्न में गर्भ सन्तानादि, [4]कर्क में व्यापार, कारोबार व साझेदारी, [5]सिंह में जीव की [6]कन्या में स्त्री सम्बन्धी, [7]तुला में धन सम्बन्धी, [8]वृश्चिक लग्न में रोग, ऋण मुकदमा और शत्रु सम्बन्धी [9]धन आय सम्बन्धी। [10]मकर से गुप्त शत्रु और गुप्त कार्य विधि, जैसे स्मगलिंग काला धन, [11]कुम्भ से भूमि जायदाद तथा [12]मीन से किसी व्यक्ति की रुकावट, पितृ

---

१. लग्न भाव सम्बन्धी पूर्ण विवरण के लिए डायमण्ड द्वारा प्रकाशित 'ज्योतिष सीखिए' देखें।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाधा, भूत प्रेत, तन्त्र विद्या, ज्योतिष या मानसिक चिन्ता सम्बन्धी प्रश्न हो सकता है।

उपरोक्त मिथुन लग्न की प्रश्न कुण्डली सचमुच सन्तान सम्बन्धी है। ध्यान से देखिए पंचम भाव अति क्रूर ग्रहों से घिरा हुआ है लग्नेश बुध भी सन्तान के घर में है। पाचवें भाव पर सूर्य राहू और मंगल का जो कि विच्छेदी अर्थात् अलग करने वाले) का पूरा प्रभाव है। प्रश्न पूछने वाले आदमी का चेहरा एकदम उदास था। आयु लगभग ४८ वर्ष की थी। तो मैंने एक दम वता दिया कि प्रश्न आपका सन्तान सम्बन्धी है। आपकी सन्तान आप से अलग हो गयी हैं अर्थात् भाग गई है। अब यह जानना भी बहुत जरूरी है कि सन्तान लड़का है या लड़की ? सन्तान के घर का स्वामी शुक्र स्त्री ग्रह है। अतः इस व्यक्ति की लड़की घर से भाग गई है।

प्रश्न जानने के लिए कर्मस्थान और कर्म अर्थात् दसवें स्थान के स्वामी की स्थिति जाननी बहुत जरूरी है। ज्यादातर प्रश्न वही बनते हैं जिस स्थान में कर्मेश

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पड़ा हो या जिस भाव का स्वामी कर्मस्थान (दसवें घर) में पड़ा हो।

उदाहरणार्थ :—

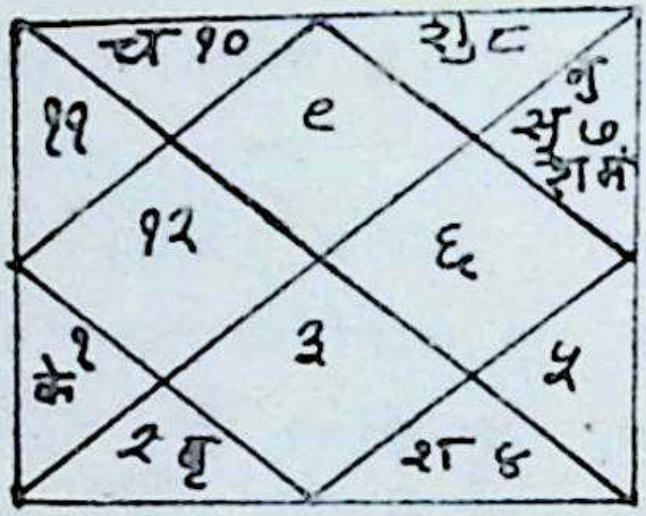

इस प्रश्न कुन्डली में ध्यान से देखने से मालूम पड़ता कि प्रश्न लाभ का है क्योंकि कर्मेश लाभ स्थान में है।

दूसरा प्रकार व्यक्ति की मकान सम्बन्धी मुकदमे-बाजी का है क्योंकि यहां लग्नेश और चतुर्थेश दोनों छठे घर में हैं छठा घर मुकदमें का है। मुकद्दमा क्यों और किस विषय पर है ? इसका उत्तर स्पष्ट है कि वृहस्पति चौथे घर का स्वामी है और चौथा घर भूमि, जायदाद आदि का है अतः व्यक्ति को भूमि की ही चिन्ता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यह विधि तो रही प्रश्न को खोजने की। अब कार्य सिद्धि होगी या नहीं ? इसका उत्तर किस प्रकार दिया जाए ?

लग्न तीन प्रकार के होते हैं [1] चर, [2] स्थिर [3] द्विस्वभाव। इनका विस्तृत वर्णन नीचे इस प्रकार है। प्रश्न का उत्तर कैसे दें ?

यदि प्रश्न यात्रा का हो, जल्दी समस्या हल करने का हो, व्यापार का हो, किसी व्यक्ति के आने का या शुभ कार्य का हो, पत्र या खोई वस्तु मिलने का हो तो चर लग्न में किया गया प्रश्न का उत्तर प्रायः हां में ही होता है। चर लग्न के अतिरिक्त कुछ अन्य बातों का ध्यान रखना भी जरूरी है।

क्या लग्न व लग्नेश की स्थिति शुभ है ?

क्या वह भाग ज्यादा क्रूर ग्रहों से ग्रसित तो नहीं जिसके विषय में प्रश्न किया गया है ?

चन्द्रमा कमजोर तो नहीं ?

लग्नेश उल्टा (वक्री) तो नहीं चल रहा ?

यदि लग्न चर राशि में हो व लग्नेश भी चर राशि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

में हो और चन्द्रमा कमजोर न हो तो प्रश्न का उत्त
एकदम 'हां' में कह देना चाहिए।

यदि चन्द्र और गुरु इकट्ठें हों व लग्नेश चर रा
में हो, परन्तु लग्न स्थिर राशि का हो तो भी प्रश्न का
उत्तर 'हां' में ही होगा। मगर फल की प्राप्ति देर से
होगी।

यदि कोई व्यक्ति भाग गया हो उस समय प्रश्न
द्विस्वभाव में हो तो भागने वाला व्यक्ति निश्चय ही
वापिस आएगा। अगर लग्न चर राशि का हो, परन्तु
लग्नेश द्विस्वभाव राशि में हो तो भी भागा हुआ व्यक्ति
लौट आएगा।

विवाह, नौकरी, कार्यसिद्धि, साझेदारी पुस्तक
लिखने, प्रकाशित होने या किसी महत्त्वपूर्ण व्यवसाय
(डाक्टर, लेक्चरर, वकील, वैज्ञानिक) के लिए द्विस्वभाव
लग्न और लग्नेश व चन्द्र की शुभ स्थिति को देखना
चाहिए।

जायदाद, दुकान खोलने के लिए, मकान बनाने के
लिए, फैक्टरी का शुभारम्भ करने के विषय में पूछा गया

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

प्रश्न प्रायः स्थिर लग्न का ही अच्छा होता है। क्योंकि मकान, दुकान आदि चलते नहीं, बल्कि स्थायी रहते हैं। लेकिन एक स्थान से दूसरे स्थान पर समान भेजना, विदेशों से व्यापार करना, सट्टा शेयर खरीदना, ठेकेदारी करना अर्थात् वह व्यापार जो चलते फिरते हों उसका प्रश्न चर लग्न में ही किया हुआ हो तो अच्छा है।

कई बार देखने में आता है कि प्रश्न चर लग्न में होते हुए भी उनका फल ठीक नहीं निकलता और स्थिर लग्न में किये हुए प्रश्न का फल ठीक निकल आता है उसका उत्तर यही हो सकता है कि जिस विषय या जिस भाव के विषय में प्रश्न किया गया है उस भाव की राशि क्या है ? उसका स्वामी कौन-सी राशि में गया, उस

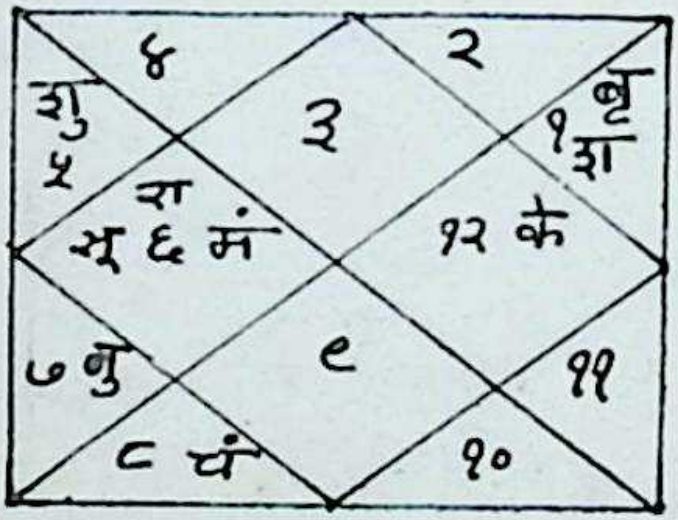

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पर कौन-कौन से ग्रहों का प्रभाव है ? यहां एक कुण्डली दी जा रही है जिस से यह बात स्पष्ट हो जाएगी ।

यह एक प्रश्न कुण्डली है । प्रश्न सन्तान के बारे में है कि सन्तान पैदा होगी कि नहीं ? अब लग्न भले ही द्विस्वभाव का है और सन्तान भाव चर राशि का है फिर भी इस महिला की सन्तान नहीं हुई । ध्यान से देखने से पता चलता है कि सन्तान के घर का स्वामी स्थिर और शत्रु राशि, सूर्य की राशि में है । चन्द्र भी कमजोर और नीच का होकर स्थिर राशि में छटे घर में पड़ा है । सन्तान भाव सूर्य, मंगल व राहू एवं नीच चन्द्रमा के बीच में है । अतः इस महिला की सन्तान नहीं हो सकती ।

यहां एक अन्य कुण्डली देखिए । →

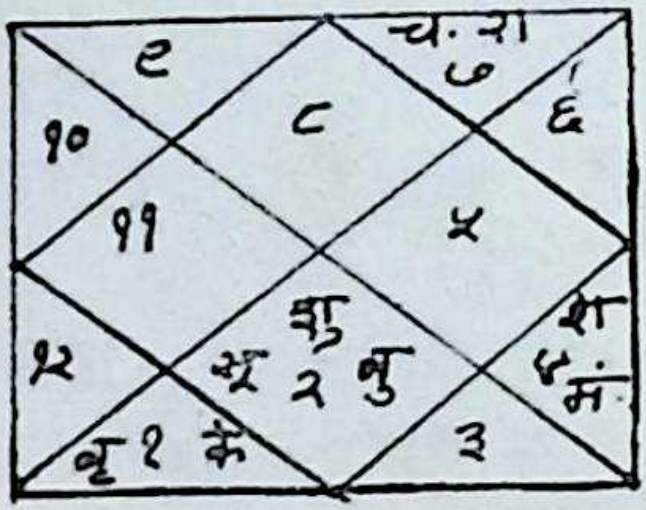

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

लग्न ८ यह प्रश्न कुण्डली एक लड़की की है जो कि विवाह के बारे में पूछने आई थी। यहां कर्मेश विवाह के घर में है अतः प्रश्न शादी का है। कर्मेश स्थिर राशि का है। गया भी स्थिर राशि में है और लग्न भी स्थिर राशि का है अतः यह लड़की जहाँ चाहती है अथवा जिस व्यक्ति से इसकी सगाई हुई है, वहां इसकी शादी नहीं होगी। इसके अतिरिक्त सूर्य अलग करने वाला ग्रह है अतः सगाई होकर टूट जाए। यद्यपि शुक्र अपने घर का स्वामी है और अपने घर के स्वामी पर कुप्रभाव नहीं पड़ता फिर भी सूर्य के साथ अस्त होने से शुक्र का कोई अस्तित्व नहीं।

नीचे दी गई कुण्डली चर लग्न की है फिर भी इसका उत्तर 'न' में आता है।

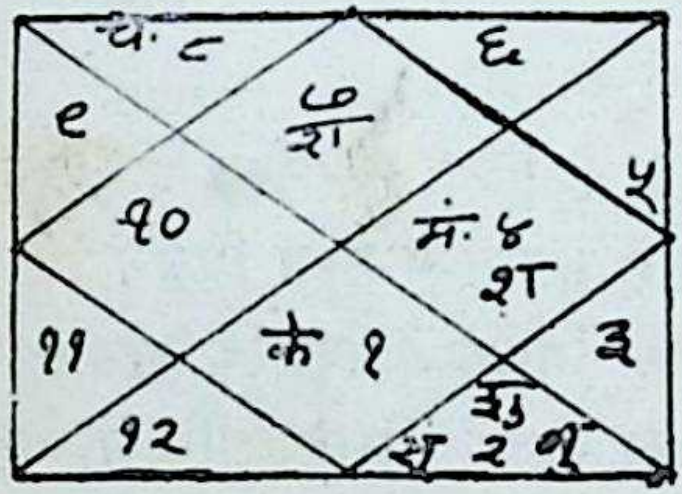

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

७ल. इस प्रश्न कुण्डली को बड़े ध्यान से देखा जाये तो पता चलता है कि प्रश्न पूछने वाला व्यक्ति काफी निराश है क्योंकि लग्न पर राहू और मंगल का प्रभाव है और लग्नेश आठवें भाव में सूर्य के साथ अस्त हो गया है इसलिए यह व्यक्ति अत्यधिक परेशान है। साथ ही आत्मा का कारक चन्द्र नीच का है। अब सोचना यह है कि इस व्यक्ति का प्रश्न क्या हो सकता है ? कर्मेश चन्द्र धन स्थान में नीच का होकर पड़ा है और धन स्थान का स्वामी नीच का होकर कर्म स्थान में शनि के साथ पड़ा है। यहां पर बात एकदम स्पष्ट हो गई कि इस व्यक्ति का धन नष्ट हो गया है। अगर अधिक ढूंढ़ना हो तो बात और भी स्पष्ट हो सकती है कि पत्नी के घर का स्वामी और धन का स्वामी मंगल कर्म स्थान में है अतः धन पत्नी का ही ।

बात स्पष्ट है कि इस व्यक्ति के २५ हजार के गहने चोरी हो गए हैं। क्या ये गहने मिलेंगे ? तो उत्तर स्पष्ट है कि गहने नहीं मिलेंगे ? क्यों कि लाभ स्थान का स्वामी स्थिर राशि का होकर स्थिर राशि में पड़ा है, जो कि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अठवां भाव भी है। लग्नेश भी स्थिर राशि में हैं। धनेश अर्थात् धन-भाव भी स्थिर राशि का है। अतः इस व्यक्ति को अभी तक गहने नहीं मिले। यहां पर यद्यपि लग्न और कर्म स्थान चर राशि के हैं और धनेश भी चर राशि में पड़ा है, फिर भी इसे धन नहीं मिलना चाहिए क्योंकि लग्न, चन्द्र, लग्नेश और कर्मेश की स्थिति ठीक नहीं है।

इन सब बातों के बावजूद राशि एवं उस समय राशि पर ग्रहों का क्या प्रभाव है। प्रश्न किस नक्षत्र में किया गया है, धन या चोरी किस नक्षत्र में हुई है, उस समय कौन-सा ग्रह अधिक बलकारी है ? वार शुभ है या अशुभ यह सब बातें अनिवार्य हैं।

किसी कार्य की सिद्धि या लाभ के लिए रेवती, रोहिणी, पुण्य, विशाखा, पूर्वाषाढ़ा, धनिष्ठा तथा अश्विनी, मृगशिरा, आश्लेषा हस्त अनुराधा, उत्तराषाढ़ा नक्षत्र क्रमशः शुभ माने जाते हैं। यदि इन नक्षत्रों में व्यक्ति प्रश्न करे तो वह भी शुभ है या इन नक्षत्रों में कोई वस्तु नष्ट हो या चली जाए तो उसके मिलने की

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सम्भावना होती है।

मेरे पास एक व्यक्ति पुष्प नक्षत्र में प्रश्न करने आया कि मेरा पुत्र गायब हो गया है क्या मिलेगा ? मैंने प्रश्न बिना लगाये ही कह दिया कि 'हां' तुम्हारा लड़का आज या कल में ही मिल जाएगा। सचमुच वह लड़का कल ही (दूसरे दिन) घर अपने आप आ गया।

इस प्रकार प्रश्न पूछने व जिसके विषय में प्रश्न किया जा रहा है उसका नाम जानना बहुत जरूरी है। कई बार किसी नाम पर भयंकर साढ़ सत्ती होती है या ढैया होती है ऐसे व्यक्ति के प्रश्न का उत्तर निश्चय ही 'न' में होगा। जैसे आजकल 'म' अर्थात् सिंह राशि पर साढ़े सात साल की, साढ़ सत्ती है और मेष, धन पर ढैया है। अतः ऐसे व्यक्ति या ऐसे व्यक्तियों के बारे में पूछे गये प्रश्न का उत्तर कुछ नकारात्मक अर्थात् निराशाजनक ही होगा। मेरे पास मनोरमा, लड़के का, महेन्द्र व्यापार के लिए, मधु गहनों के लिए, मंजुला शादी के लिए, टेकचन्द प्रोमोशन के लिए, मुरारीलाल ट्रांसफर के लिए आए मैंने सभी को आंख मूंदकर उत्तर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दे दिया कि कार्य सिद्ध नहीं होगा। इसी प्रकार मेष राशि के पुन्नीलाल, अनिलकुमार, धन राशि के भगवान दास कार्य व्यापार सम्बन्धी प्रश्न पूछने आए उन्हें भी उत्तर निराशाजनक मिले।

नोट—साढ़ सत्ती उसे कहते हैं जब राशि के दायें बायें या मध्य में शनि हो।

उदाहरण— **सिंह राशि की साढ़ सत्ती**

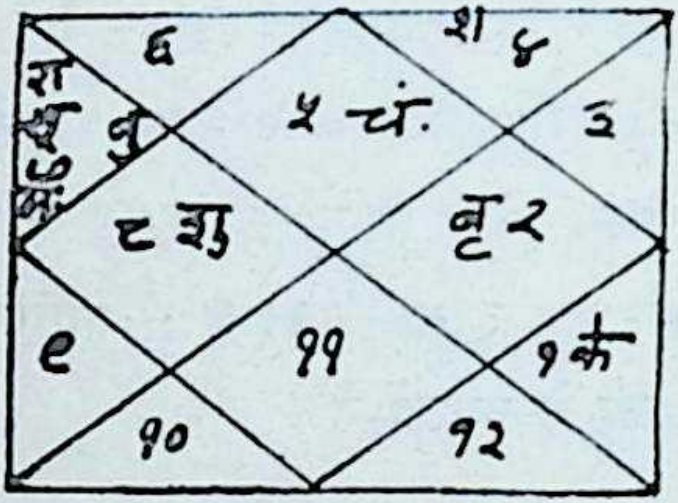

यद्यपि गुरु दसवें स्थान में है और शुक्र चौथे स्थान में बैठकर दसवें स्थान को देख रहा है फिर भी सिंह राशि में साढ़ सत्ती होने के कारण इसे सफलता नहीं मिल रहीं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

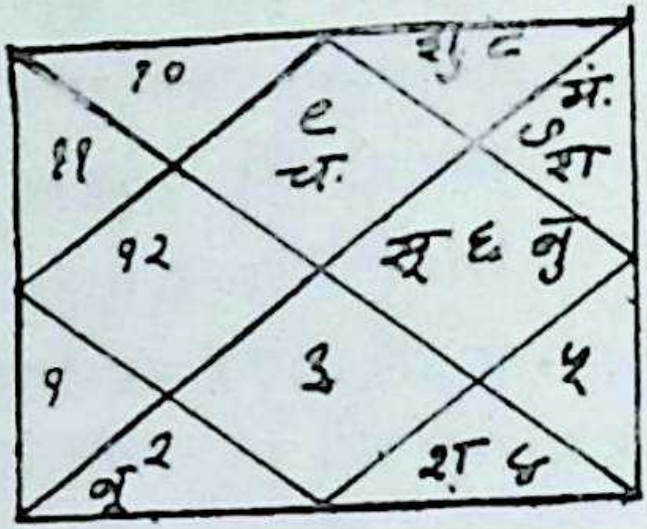

इस राशि वाले के अक्तूबर, १९७६ में यद्यपि बुध उच्च का अपनी राशि में है और भाग्य स्थान का स्वामी सूर्य भी कर्म स्थान में है फिर भी इस व्यक्ति को इसी महीने २४ हजार का घाटा पड़ा है। क्योंकि आजकल शनि इसकी राशि से आठवें हैं।

इन सब बातों के बावजूद भी भाग्य जानने वालों को और भाग्य बनाने वालों को कुछ बातें भगवान पर छोड़ देनी चाहिए और उसे कर्म करने में अधिक विश्वास रखना चाहिए।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

एक उदाहरण ढैये का देखिये —

ढैया में शनि राशि से चौथे या आठवें होता है। ऐसी स्थिति में भी कार्य सिद्धि नहीं होती। मेष राशि का ढैया चौथे घर में शनि होने से है।

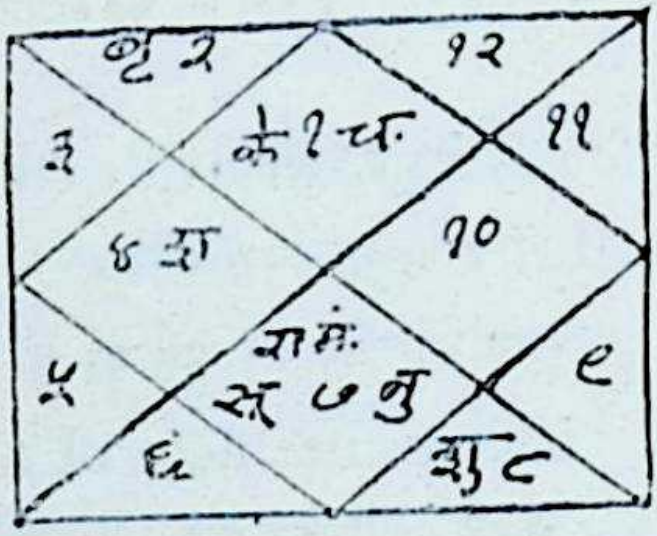

यह व्यक्ति लगातार कई महीनों से प्रमोशन और विदेश जाने की जी जान से कोशिश कर रहा है, परन्तु इसे सफलता नहीं मिलती। इसकी माँ भी मर गई है।

धन राशि के आठवें शनि का ढैया।

———

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

अंग लक्षण द्वारा भविष्य

किसी व्यक्ति के चेहरे, आकार, शरीर की बनावट, चेहरे की बनावट और शरीर पर मौजूद विभिन्न चिन्हों को देखकर बहुत कुछ बताया जा सकता है। अंग्रेजी में एक कहावत है 'Face is the Index of mind" अर्थात् किसी व्यक्ति के चेहरे को देखकर उसके दिमाग को आसानी से पढ़ा जा सकता है।

विदेशों में शरीर और शरीर पर पड़े चिन्हों द्वारा भविष्य बताने वालों की कमी नहीं। इंग्लैंड के मनोवैज्ञानिक श्री फाक्स मनुष्य के हाथ पाँव की अंगुलियों के आधार पर बहुत कुछ बता देते हैं। एक अन्य विदेशी विद्वान मार्टन कोल निशानों से किसी स्त्री-पुरुष के सेक्स विषय में बहुत कुछ बता देते हैं।

फ्रांस के 'ओरबर्ट' व्यक्ति के आंख के तारे को देखकर पुरानी बीमारी या आने वाली 'बीमारी' के विषय में

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बता देते हैं। और यह भी बता देते हैं कि अमुक व्यक्ति की मृत्यु किस बीमारी से होगी और कब होगी ?

इंग्लैंड के प्रोफेसर ब्राइटन किसी स्त्री के पेट की रेखाओं और उसकी छाती का नाप लेकर उसके विषय में भविष्य बताते हैं। इस विषय में तो मेरी भी अपनी राय है। जिस स्त्री का बाकी शरीर अनुपात के अनुसार हो और छाती कुछ ज्यादा बड़ी हो ऐसी स्त्री स्वेच्छा गरीबी होती है। छाती का नाप और 'हिप्स' नाप लगभग एक जैसा हो और कमर लगभग आठ इंच के अन्तर में हो ऐसी स्त्री सामान्य होती है। जिस स्त्री के शरीर में रोएं घनी और हाथ पांव और टांगों पर बाल ही बाल दिखाई दें उसमें पुरुषों वाले गुण अधिक होते हैं और स्त्रियों वाले कम। इसी प्रकार किसी पुरुष का शरीर अत्यधिक कोमल और रोएंरहित हो तो ऐसे पुरुष में स्त्री वाले गुण अधिक होते हैं।

प्रायः ऐसा सोचा और समझा गया है कि जिस व्यक्ति का सारा शरीर गठीला और बालों से भरा हो, कान, नासिका अंगुली के पृष्ठ भाग सभी जगह बाल ही

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बाल दिखाई दें ऐसा पुरुष कठोर प्रकृति का होता है। उसमें पुरुषत्व कूट-कूट कर भरा होता है। ऐसा व्यक्ति बचपन से ही अपने पांव पर खड़ा होता है और मेहनत करके बहुत अमीर बन जाता है।

जिस व्यक्ति की आँखें पीली हों और हाथ कमजोर और हथेली धसी सी हो ऐसा सदैव किसी न किसी रोग से पीड़ित रहता है।

जिस व्यक्ति की हथेली उभरी हुई हो और लाल हो, ऐसा व्यक्ति सशक्त होता है। इनकी प्रायः सन्तानें लड़का होती हैं। अत्यधिक उभरी हथेली वाले अति पुरुषत्वपूर्ण होते हैं। जिस व्यक्ति की हथेली उभरी हुई न हो विशेष कर अंगूठे के नीचे वाला भाग एक दम धसा हुआ हो ऐसा व्यक्ति अपेक्षाकृत कमपुरुत्व वाला होता है और उसकी प्रायः 'लड़की' सन्तान होती हैं। जिस व्यक्ति का शरीर रोमरहित है हाथ पुल-पुला हो, दाढ़ी न हो ऐसा व्यक्ति नपुंसक होता है।

ये तो सामान्य विचार हैं। इनमें अपवाद भी होते हैं। इसलिए केवल पक्ष देखकर मत प्रकट नहीं करना।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

चाहिये।

किसी भी व्यक्ति का भविष्य जानने के लिए बहुत सी बातों का ध्यान रखने की जरूरत होती है। कई बार एक नियम एक ही व्यक्ति पर लागू हो रहे होते हैं और दूसरे पर नहीं।

जैसे कुछ लोगों की धारणा है कि जिसके सिर में गंज है। वह अमीर होता है। मैंने ऐसे भी लोग देखे हैं। जिसके सिर के लक्षण बिल्कुल अमीरों जैसे हैं, लेकिन भूखे मर रहे हैं।

इसी प्रकार विशाल मस्तक वाले को दीर्घायु, बुद्धिमान, कुशाग्र और धनी समझा जाता है। लेकिन कई बार छोटे मस्तक वाले विद्वान, दीर्घायु देखे गये हैं और बड़े मस्तक वालों की जल्दी मृत्यु होते देखी है और वे कंगाल होते देखे हैं।

दांतों के विषय में कहा गया है कि किसी के दांत खुले हों वह अमीर होता है और बुद्धिमान होता है, परन्तु यह बात सभी व्यक्तियों पर लागू नहीं होती। अनेक बार खुले दांतों वाले पागल और गरीब भी देखे गये हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सिर

१. जिस व्यक्ति का सिर चारों ओर से एक जैसा गोलाई में हो। वह बुद्धिमान और विचारशील होता है ऐसा व्यक्ति पहले सोचता है फिर बोलता है और काम करता है।

२. जिस व्यक्ति का सिर आगे से पीछे की ओर क्रमशः घटता चला जाये, ऐसा व्यक्ति अविकसित बुद्धि का होता है। वह हर काम को देर से सीखता है और अधिक देर लगाता है। ऐसे व्यक्ति अक्सर बीमार रहते हैं। इनमें मानवीय गुणों की कमी होती है। ये किसी के सुख दुःख को नहीं समझ सकते।

३. जिस व्यक्ति का सिर आगे से छोटा और पीछे की ओर क्रमशः बड़ा होता चला जाये ऐसे व्यक्ति में साहस, विद्या, विचार शक्ति की कमी होती है। ऐसे व्यक्ति साधारण बुद्धि के होते हैं। खाते पीते हैं और सो जाते हैं। इनकी बुद्धि धीरे ३५, ४० वर्ष तक विकसित होती है।

४. कुछ व्यक्तियों का सिर शरीर के विकास के

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

सिरों के आकार

१.

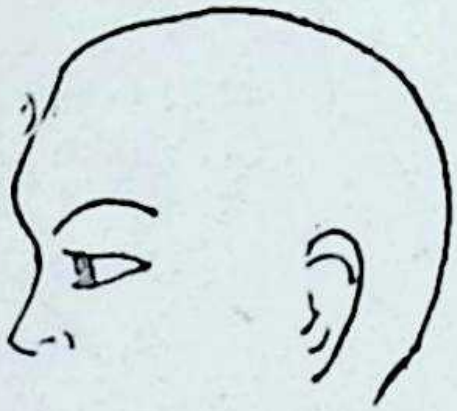

२.

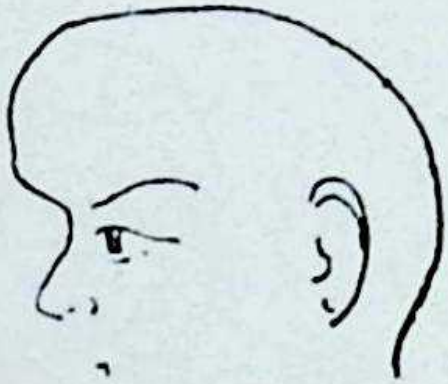

अनुसार न होकर अत्यधिक छोटा या बड़ा होता है। ऐसे सिर भी कम बुद्धि रोगी, पागल या कम जीने वाले लोगों के होते हैं।

५. कुछ लोगों का सिर उभरा हुआ, बड़ा गठीला, पुष्ट और मस्तक की ओर चौकोर सा लगता है। ऐसे व्यक्ति वैज्ञानिक, दार्शनिक, साहित्यिक और कवि होते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

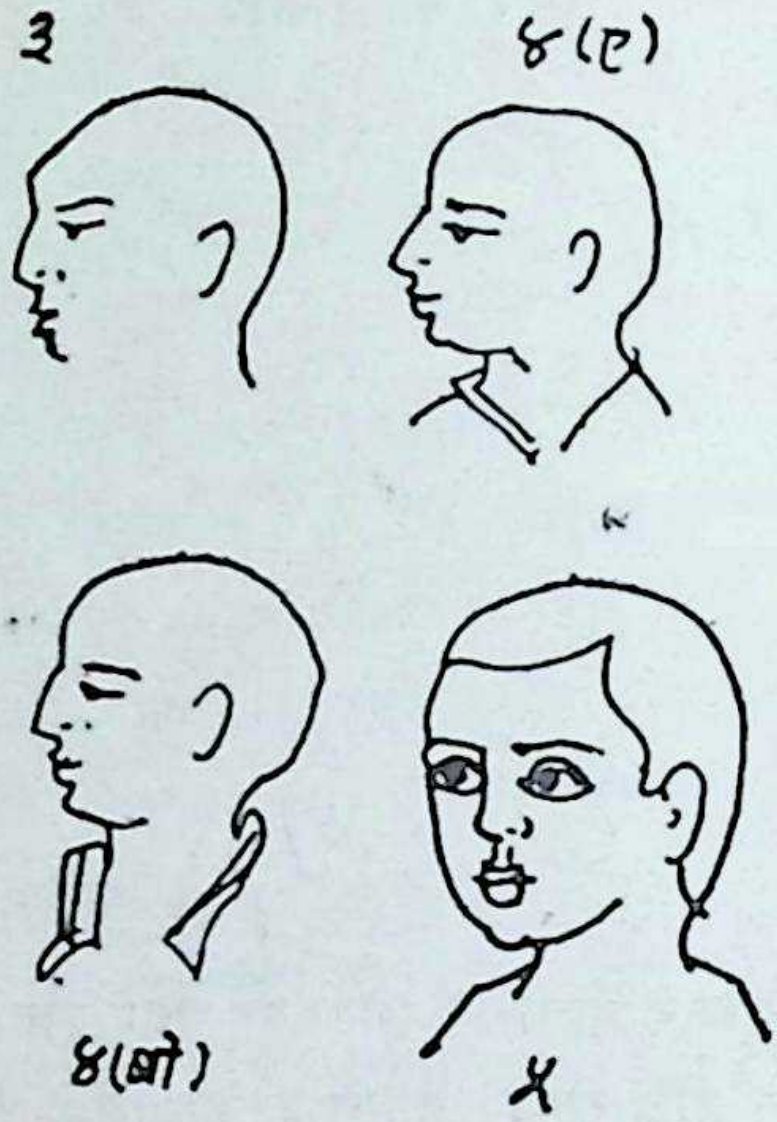

मस्तक

जिस व्यक्ति का मस्तक विशाल चौड़े की अपेक्षा लम्बा अधिक हो ऐसा व्यक्ति धनवान, प्रगतिशील और दीर्घायु होता है। माथे पर पड़ी लकीरों में से प्रायः एक लकीर २५ वर्ष की गिनी जाती है साफ सुथरी जितनी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

लकीरें हों उतने २५ वर्ष गिन लेने चाहिए टूटी फूटी लकीरें एक्सीडेंट और बीमारी को बताती हैं।

२. दूसरे प्रकार के माथे गोल होते हैं। गोल माथे वाले प्रायः नौकरी करते हैं। साधारण बुद्धि या कुछ अधिक बुद्धिवाले होते हैं। ऐसे व्यक्ति मेहनत से धनी बनते हैं।

३. गंज मस्तक – यह मस्तक अत्यन्त प्रभावशाली माना जाता है। ऐसे व्यक्ति कूटनीतिज्ञ, राजनीतिज्ञ और विचारक होते हैं। राजनीति इनका विशेष विषय होता है, भले ही इसमें प्रवेश करें अथवा नहीं। मस्तक का आकार जितना बड़ा होगा राजनीति में उसका पद उतना ऊग्र होता चला जायेगा।

ऊपर दिये गये दोनों प्रकार के गंज मस्तक के हैं एक का आकार बराबर है और दूसरे का आकार कुछ बड़ा है। दूसरे वाला माथा अधिक प्रभाव शाली माना गया है। ऐसा व्यक्ति निश्चय ही नेता, प्रधान मन्त्री, मन्त्री या उच्च पदाधिकारी बनता है।

४. चौथे प्रकार के माथे अत्यधिक छोटे होते हैं। ऐसे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

व्यक्ति का जीवन संघर्ष पूर्ण और दुःखी होता है मेहनत अधिक व फल कम मिलता है। जिसके माथे पर लकीरें न पड़ी हो वह अल्पायु होता है।

५. उभरे हुए माथें कुछ मस्तक आगे की ओर झुके होते है ऐसा लगता है कि किसी के पत्थर मारने से आगे को रोड़ा बन गया हैं या सूज गया हो। ऐसा माथे वाले प्रायः रोगी रहते हैं। ये भाग्यहीन और निर्विचार होते हैं। डाकुओं के माथे इसी श्रेणी में आते हैं।

जिस माथे में सभी लकीरें टूटी फूटी हों तो, ऐसे व्यक्ति का जीवन सदैव जोखिम में पड़ा रहता है। उसके जीवन में बीमारियों और दुर्घटनाओं की कमी नहीं रहतीं। वह पशु सा जीवन व्यतीत करता है।

६. कुछ माथे लम्बाई में होते हैं दूर से देखने से एक गलीनुमा लगते हैं उनके सिर और माथे का भेद दिखाई नहीं देता। इसका आकार खरबूजे जैसा होता है।

ऐसे मस्तक वाले धार्मिक नेता, पंडित, कथा वाचक भाषणकर्ता, परोपकारी, वेद शास्त्रों के ज्ञाता, आचार्य

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

एवं शास्त्री होते हैं। ये अमीर भी धार्मिक कार्य करने से ही बनते हैं।

आंखें

वैसे तो आंखों का अध्ययन बहुत विस्तृत है। यहां केवल कुछ प्रचलित प्रकार की आंखों का वर्णन करेंगे।

सामान्य आंखें — यह आंखें लम्बाई, चौड़ाई में बराबर, न बाहर की ओर निकली हुई न अन्दर की ओर धंसी हुई होती हैं। ऐसे व्यक्ति उदार, सहृदय, मन के स्पष्टवादी, सहानुभूति प्रिय, लोकप्रिय और सज्जन होते हैं। इनका तारा काला और ग्राउड सफेद होती है।

लाल आखें — जिस व्यक्ति की आंखें लाल और उभरी हुई होती हैं। ऐसी आंखों वाले व्यक्ति अक्सर अपराधी होते हैं। क्रोध करना इनके जीवन की विशेषता होती है। क्रोध में पागल हो जाते हैं और लोगों को पीट देते हैं, वार कर देते हैं और बुरी तरह से गाली गलोच बकते हैं। जुआ खेलना, नशा करना, शराब पीना, विषय वासना में लिप्त रहना इनकी मुख्य आदतें होती है। यदि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आंख लाल हों माथा विकृत हो मुख भेड़िये जैसा हो तो वह व्यक्ति अपराधी कार्यों में रूचि रखता है।

पीली आंखें– जिस व्यक्ति की आंखें पीली अन्दर की ओर धसीं हों और पुतलियां टूटी-फूटी हों या मुरझाई सी हों तो ऐसा व्यक्ति 'नरवस' सा होता है। बात करते घबराता है। उसमें इच्छा शक्ति की कमी होती है। वह सदा उधड़ बुन में रहता है और किसी निर्णय पर नहीं पहुंच पाता। इस प्रकार की आंखो वाले व्यक्ति अक्सर रोगी रहते हैं। ऐसे लोग कभी गुप्त रोगों का शिकार भी हो जाते हैं।

भूरी, या मक्कार आंखें—इन आंखों का रंग प्रायः भूरा सा होता है पुतली के चारों ओर भी जगह हल्की पीली और लाल होती हैं। ऐसे व्यक्ति मक्कार चाल बाज, झठे, चालाक, दुरंगी चाल वालें होते हैं और व्यक्तित्व वाले हैं। इनकी आंखें प्रायः हल्की सी अन्दर की ओर धंसी हुई होती है। ऐसे व्यक्ति अपना उल्लू-सीधा करने में बड़े सिद्ध-हस्त होते हैं। ये अपने मन के भाव को बड़ी आसानी से छुपा लेते हैं। अपनी करतूतों का पता किसी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

को नहीं चलने देते ।

नीली आंखें—नीली आंखें सुन्दरता के लिए तो अच्छी मानी गई हैं मगर व्यावहारिक जीवन में ये आंखें अच्छी नहीं मानी गई । नीले आंखों वाले व्यक्ति चालाक, दगा बाज, स्वार्थी, अय्याश और शरारती होते हैं । दूसरे के घर को खराब करना, झगड़े फिसाद तैयार करना और मतलब के समय गधे को बाप बनाना इन्हें खूब आता है । ये बात को बड़ी आसानी से बदल देते हैं । अपना कार्य बड़ी आसानी से पूरा कर लेते हैं । किसी दूसरे का भला बुरा तभी विचारते हैं जउ अपना सब ठीक ठाक कर लेते हैं ।

काली आंखें—काली आंखों वाले उदार भक्त चिन्तन शील, दानी और विद्वान होते हैं । इनका जीवन साधारण होता है । ये ज्यादा झसेले में नहीं पड़ते ।

बिल्ली आंखें—ये आंखें प्रायः नीली आंखों से मिलती हैं । परन्तु इन आंखों में थोड़ा लाल पीला और सफेद रंग होता है तथा ये आंखे चमकदार होती हैं । ऐसी आंखों वालों की बाते प्रायः नीली आंखों वालों से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मिलती हैं। अन्तर केवल इतना होता है कि बिल्ली आँखों वालों दुष्ट और क्रूर प्रकृति के कुछ अधिक होते हैं।

आंखों का आकार

१. सुप्त आंखों वाले धार्मिक और योगी होते हैं। इन्हें संसार में विरक्ति हो जाती है।

२. बन्दर की ओर धसी हुई छोटी आंखों वाले मानसिक रोगों का शिकार होते हैं।

३. धनुषाकार आंखों वाले कलाकार होते हैं।

४. टेढ़ी या मैंगी आंखों वाले दुष्ट स्वभाव के होते हैं। टेढ़ी आंखों वाले कुटिल व उल्टी चाल चलने वाले होते हैं।

५. मछली के आकार—मछली के आकार की आंखों वाले गहरे और गहराई तक पहुंचने वाले होते हैं। ऐसे लोग जासूस कट नीतिज्ञ राजदूत और पुरातत्व विभाग में काम करने वाले होते हैं।

६. गोल आंखें —कई आंखें ऐसे दिखाई देती हैं मानों बच्चों के खेलने वाली गोली फिट कर दी हो ऐसे व्यक्ति

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

साधारण रहन सहन और साधारण बुद्धि वाले होते हैं। कोई प्रभावित कार्य इनके पास नहीं होता है। इन्हें न तो अपनी चिन्ता और न ही दूसरों की।

अत्यधिक छोटी आँखें—कुछ आंखे बहुत छोटी तारे वाली होती हैं। ऐसे व्यक्ति छोटी एवं तुच्छ बुद्धि वाले होते हैं। झगडालू चोर भिखारी प्रवृति के होते हैं। मांग कर खाने में इन्हें जरा भी हिचकिचाहट नहीं होती।

भौहें और उनका आकार

घनी और नाक के ऊपर बीच तक फैली हुई भौंहें वाले व्यक्ति चालाक और अपने को बुद्धिमान और लोगों को मूर्ख समझने वाले होते हैं।

धनुषाकार भौंहें वाले व्यक्ति कलाकार और गायक होते हैं।

ऊपर को उठी भौंहों वाले व्यक्ति योगी और विद्वान होते हैं।

छोटी भौंहों वाले सज्जन, उदार और हमदर्द होते हैं। ये जल्दी नाराज होते हैं और जल्दी प्रसन्न हो जाते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पूर्ण भौवें वाले व्यक्ति गहरे, क्रोधी, चालाक, जमाने साज और दोस्तों के दिवाने बनने वाले होते हैं।

इनका घरेलू जीवन कुछ संघर्षपूर्ण होता है।

बहुत कम बालों वाली भौवें जिस व्यक्ति की हों ऐसे व्यक्ति में पुरुषत्व की कमी होती है। ऐसे व्यक्तियों का जीवन सार्थक नहीं होता। कभी-कभी ऐसे व्यक्तियों कोड भी हो जाता है। इन्हें फुल-बहरी की बिमारी भी हो जाती है।

नाक के प्रकार

अत्यधिक नुकीली नाक वाले ऐबी, क्रोधी और चालाक होते हैं। ऐसे व्यक्ति किसी के दबाव और दखल अन्दाजी को पसन्द नहीं करते। मनमानी करते हैं और जो व्यक्ति इनके विरुद्ध या इनकी इच्छानुसार कार्य न करे, तो यह मन में वैर पाल लेते हैं।

तीखी नाक : तीखी नाक वाले संयमी अच्छी बुद्धि और उत्तम विचारों वाले होते हैं। ऐसे व्यक्ति महमान नवाज कार्य करने में चतुर और मिलनसार होते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

इनमें एक कमी बहुत भयंकर होती है। ये किसी को एक दम सच्चा मित्र मान लेते हैं और बिना देखे भाले, समझे और परखे दोस्ती कर लेते हैं और बाद में धोखा खाते हैं। अतः इनमें किसी की थाह पाने की शक्ति कम होती है। ऐसे ही ये बिना सोचे, समझे, और सुने, गुस्से में आ जाते हैं।

चपटी नाक—चपटी और बड़ी नाक वाले गहरे होते हैं। ये हर स्थिति के अनुसार अपने आप को ढाल लेते हैं। जैसे भी हालत हो गुजारा कर लेते हैं। सहन शक्ति इनमें कूट-कूट कर भरी होती हैं। सबकी बातें धीरज से सुन लेते हैं। करते वही हैं जो इनका दिल और दिमाग कहता है। इनका व्यवहार दिमाग, दिल और विचार सभी कुछ सन्तुलित होता है। ये अपनी मर्यादा रीति रिवाजों का बहुत ख्याल रखते हैं। इन्हें प्रायः जुकाम की शिकायत रहती है।

दबी हुई नाक :—यह नाक शुरू से लेकर अन्त तक पिचकी हुई होती है ऐसे मालूम पड़ता है जैसे किसी ने 'रोलर' फेर दिया हो। ऐसी नाक वाले व्यक्ति दास भाव

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वाले होते हैं। दूसरों की चाकरी चापलूसी और सेवा करने के लिए सदैव तैयार रहते हैं। चाहे ये किसी बड़े

नाक के रूप :—

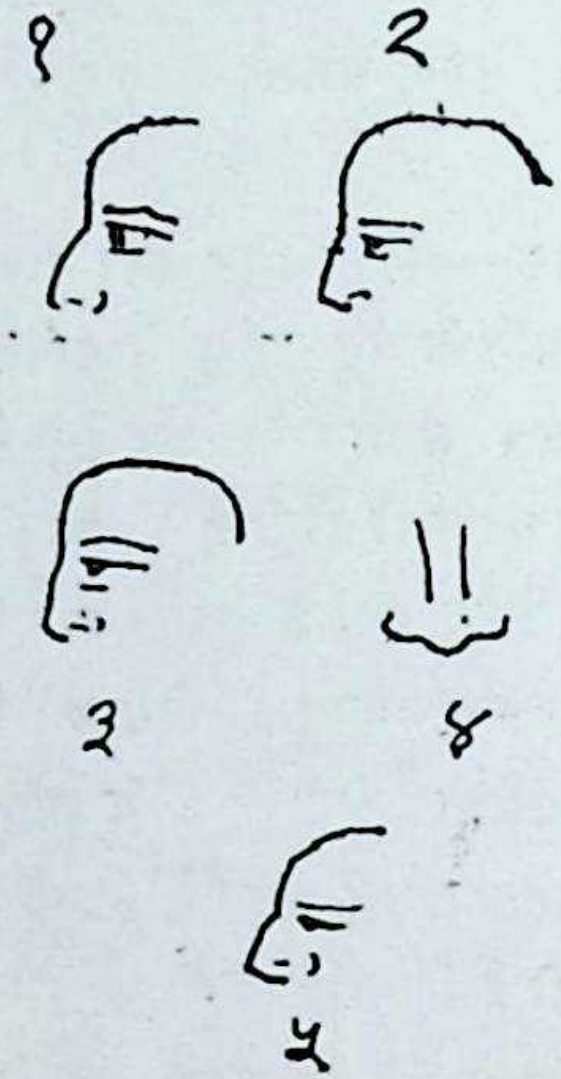

खान-दान से ही क्यों न सम्बन्ध रखते हों फिर भी इनका धन्धा लोगों की सेवा करना होता है। इनके विचार सदा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ऊँचा तुच्छ होते है ये कभी ऊंचा उठने की कल्पना तक नहीं करते ।

आगे से फैली और ऊंची नाक : — यह नाक आरम्भ से धसी हुई और आगे से फैली हुई होती है । ऐसी नाक वाले के गुण ऊपर वाली नाक से मिलने जुलते हैं । फर्क इतना है कि ऐसे व्यक्ति मेहनत करने ऊंचा उठना पसन्द करते हैं ।

ओंठ

मोटे ओंठ :—जिस व्यक्ति के ओठ अत्यधिक मोटे हों वह मोटी बुद्धि के होते हैं और उनका दिल और दिमाग अविकसित होता है । वह खाना पीना और ऐश करना पसन्द करते है, उन्नति की उन्हें परवाह नहीं होती ।

नीचे का ओंठ मोटा : —और बाहर की ओर लटक हुआ हो और ऊपर का ओंठ अन्दर की ओर हो तो व्यक्ति पागल या पागल तुल्य होता है ।

बराबर और सामान्य ओठ : —जिसके दोनों ओंठ बराबर हों, न बाहर हों न अन्दर की ओर धसे हुए हों, न मोटे-मोटे हों न पतले हो, ऐसे व्यक्ति समझ दार चतुर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भी जमाने साज होता है। उन्हें भले बुरे की पहचान होती है।

ऊपर का ओठ पतला और नीचे का ओठ थोड़ा मोटा—ऐसे व्यक्ति का हर काम असन्तुलित होता है। या क्रोध करते नहीं अगर करते हैं तो बहुत ज्यादा। अव्वल तो किसी को कुछ देते ही नहीं अगर देते हैं तो बिना सोचे विचारे और व्यर्थ में दे डालते हैं। या तो किसी का कोई काम करते ही नहीं अगर करते हैं तो उन लोगों का भी कर देते हैं, जो उनके अपरिचित होते हैं या विरोधी होते हैं कभी एकदम कंजूस कभी एकदम शाह खर्च कर डालते हैं। यह अस्थिर स्वभाव के होते हैं।

दोनों बराबर ओंठ :—जिस व्यक्ति के ऊपर और नीचे के ओठ बराबर मोटे या बराबर पतले हों ऐसा सन्तुलित, बुद्धिमान और हर कार्य नपा तुला करता है। वह न किसी से ज्यादा दोस्ती करता है न वैर। न किसी पर बुरी तरह फिदा होता है और न किसी से एकदम किनारा करता है। ऐसे ओठोंवाले व्यक्ति न कंजूसी करते

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri Funding: MIDF

हैं और न ही फिजूल खर्च करते हैं । इनकी इच्छा शक्ति प्रबल होती है । ये हर कार्य सोच समझ कर करते हैं ।

दोनों ओंठ अत्यधिक पतले और बराबर :— यदि ओठ पतले हों तो व्यक्ति बहुत 'सेक्सी' और अय्यासी होता है । इनका उद्देश्य होता है खाओ पीओ ऐश करो । ऐसे व्यक्ति धनवान् होते हैं, और धन कमाने के लिए दिमाग भी रखते हैं ।

लाल ओंठ :—शक्ति शाली और सेहतमन्दी की निशानी है ।

पीले ओठ :—पीले ओठ वालें व्यक्ति प्रावः जिगर की बीमारी से पीड़ित रहते हैं ।

काले ओंठ :—काले ओठ वाले व्यक्ति नशीली वस्तुओं का सेवन करने वाले होते हैं ।

दांत

जिस व्यक्ति के दांत एक दम लाईन में हों और गिनती में पूरे ३२ हों ऐसा व्यक्ति बात का पक्का और जो बात सोचता हैं या कहता है वह सच निकलती है ।

टेढ़े मेढ़ें दांतों वालें अस्थिर स्वभाव के होते हैं

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

छोटे दांतों वाले छापामारों की भांति गुप्त कार्य करते हैं। उनके कारनामों का किसी को पता नहीं चलता और न ही ये अपने भाव किसी के सामने प्रकट होने देते हैं।

बड़े दांतों वाले कुप्रवृति रखते हैं। दया एवं सहानुभूति की उनमें कमी होती है ऐसे व्यक्ति सदैव अपना उल्लू सीधा करते हैं।

खुले दांत :—जिस व्यक्ति दांत थोड़े से खुले-खुले से दिखाई दें मस्तक ऊंचा हो और दोनों ओठ सामान्य हो ऐसा व्यक्ति बुद्धिमान और धनवान होता है।

इसके विपरीत जो दांत जरूरत से अधिक खुले-खुले से दिखाई दें माथा छोटा हो और ओठ मोटे होकर नीचे की ओर लटके हों तो ऐसा व्यक्ति मूर्ख और दुष्ट होता है।

गाल

जिस व्यक्ति के गाल चिपके हों ऐसा व्यक्ति सदैव संघर्षों से जूझता है। पैसे के अभाव में भटकता है। उसका स्वास्थ्य सदैव बिगड़ा सा रहता है। मानसिक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

स्थिति ठीक नहीं होती।

कुछ लोगों का मस्तक विशाल हो शेष शुभ लक्षण भी मौजूद हो तो उसके पिचके गालों का अर्थ होता है त्याग और परोपकार की भावना गांधी जी के गाल पिचके हुए थे। उनके पास सब कुछ था फिर भी सादा जीवन व्यतीत करते थे।

उभरे हुए गाल :—जिस व्यक्ति के गाल उभरे हुए हों ऐसा व्यक्ति बूढ़ा देर से होता है और उसका स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। ऐसे व्यक्ति का स्वभाव सदाबहार रहता है।

सामान्य गाल :—जिस व्यक्ति के गाल सामान्य हों ऐसा व्यक्ति साधारण प्रकृति का होता है उसे ज्यादा दिखावा और शोर-शराबा पसन्द नहीं होता। उसकी मांगे लम्बी चौड़ी नहीं होती।

गड्डे वाले गाल :—कुछ पुरुषों के हंसते समय और बातें करते समय गालों में गड्डे से पड़ते हैं, यह चिन्ह अच्छा नहीं समझा जाता। कुछ लोग इसे निराशा का चिन्ह मानते हैं। यही गड्डे यदि स्त्री के गालों पर पड़े

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तो शुभ मानते है। ऐसी स्त्री सौन्दर्य की देवी मानी जाती है। कुछ लोगों की धारणा यह है कि ऐसी युवती की सास नहीं होती।

कान

सामान्य कान :—जिस व्यक्ति के कान न बड़े न छोटे, टेढ़े न लम्बे हों ऐसा व्यक्ति साधारण होता है। जीवन में जो कुछ उसे करना होता है, करता है। उसमें मनुष्य के साधारणतयः गुण मौजूद होते हैं।

कुत्ते के समान आकृति :—कुछ कान थोड़े से लम्बे और अकड़े से दिखाई देते हैं। ऐसे कानों वाला सजग और चतुर होता है। ऐसा व्यक्ति हल्की सी आहट से उठ जाता है।

बड़े और हाथी जैसे कान :—ऐसे कानों वाला व्यक्ति परोपकारी, देशभक्त, विद्वान, बुद्धिमान सत्यवक्ता, नेता एवं जनता का प्रिय होता है। श्री महात्मा गांधी जी के कान कुछ ऐसे ही प्रकार के थे।

बहुत छोटे कान :—वैसे तो कान सदैव मनुष्य के शरीर के अनुपात से होते हैं। कभी-कभी जरूरत से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ज्यादा बड़े कानों की भांति जरूरत से कम छोटे भी होते हैं। मैंने एक ऐसे व्यक्ति के कान देखे उसका आकार बहुत बड़ा था परन्तु कान बच्चों वेसे थे। छोटे कानों वाला व्यक्ति चालाक, चालबाज मक्कार, दुष्ट, समझदार व्यवहार कुशल, कूटनीतिज्ञ, धोखे बाज और परिवार पोषक होता है।

गर्दन

लम्बी ऊंट जैसी गर्दन :—जिस व्यक्ति की गर्दन लम्बी और ऊंट जैसी हो ऐसा व्यक्ति चालाक, मक्कार, दूसरों पर आश्रित और ख्याली पुलाव बनाने वाला होता है। वह बातें ज्यादा और काम बहुत कम करता है। वह योजनाएं बनाते-बनाते ही जिन्दगी बिता देता है। ऐसा व्यक्ति परिश्रमी नहीं होता परन्तु बुद्धिमान होता है।

अत्यधिक छोटी गर्दन :—कुछ लोगों की गर्दन धड़ के साथ एक दम जुड़ी सी दिखाई देती है। यदि गर्दन पर तीन रेखाएं हों ऐसा व्यक्ति कुशल व्यक्ति होता है। धन बहुत ओ खर्चे में कंजुसी। इसके विपरीत यदि

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

गर्दन में कोई रेखा न हो और गर्दन बहुत मोटी हो और चेहरे की आकृति भी भद्दी, तो ऐसा व्यक्ति जुआरी, चोर और ठग होता है। भयंकर डाकू भी ऐसी गर्दन वाले होते हैं।

सामान्य गर्दन :—जो गर्दन न लम्बी हो न मोटी हों न बहुत पतली हो और न लहुत धँसी हो, ऐसी गर्दन वाला व्यक्ति शुभ माना जाता है। वह मेहनती होता है। धनी होता है बुद्धिमान् होता है और परोपकारी तथा जनता प्रिय होता है। यदि गर्दन पर लकीरें न हों या टूटी फूटी लकीरें हो तो व्यक्ति भाग्यहीन तथा कठिनता से जीवन बिताने वाला होता है। उसे हर कदम पर ठोकरें और निराशा मिलती है। चपटी गर्दन वाला व्यक्ति गरीब होता है।

गर्दन की लकीरें—गर्दन पर चार लकीरों वाला व्यक्ति अति भाग्य शाली माना जाता है।

जिसकीं गर्दन पर तीन लकीरें हों ऐसा व्यक्ति ईमान दारी से धन कमाता है और धार्मिक विचारों का होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जिसकी गर्दन पर एक या दो लकीरें हों वह मध्यम वर्ग का व्यक्ति माना जाता है टेढ़ी गर्दन वाला चुगलखोर होता है।

जिसकी गर्दन मोटी थुलथुली और टूटी फूटी लकीरों से भरी हो वह व्यक्ति भाग्यहीन समझा जाता है।

कन्धे

जिस व्यक्ति के कन्धे ऊंचे हो उभरे हुए हों और गठीले हों वह व्यक्ति निडर, बलवान व चतुर होता है।

जिस व्यक्ति के कन्धे गिरे हुए हों ऐसा व्यक्ति कमजोर, डरपोक और अस्थिर होता है। हीन भावना ऐसे व्यक्ति में बहुत पाई जाती है।

छाती

चौड़ी छाती—जिस व्यक्ति की छाती उभरी हुई, चौड़ी-गठीली, मांसल और बालों से भरी हुई हो ऐसा व्यक्ति शूरवीर, बलवान, शक्तिशाली, प्रबल इच्छा शक्ति वाला, धनवान और बुद्धिमान होता है।

थुलथुली छाती—जिस व्यक्ति की छाती चौड़ी हो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

परन्तु गठीली न होकर थुलथुली या गुदगुदेदार हो ऐसा व्यक्ति साधारण बुद्धि का होता है वह मेहनत बहुत करता है पर हासिल कुछ नहीं करता। ऐसा व्यक्ति धीरज तो नहीं खोता परन्तु दुखी सदैव ही रहता है। इस प्रकार के व्यक्ति की छाती पर यदि बाल बिल्कुल न हों तो वह व्यक्ति अत्यन्त गरीब होता है।

छोटी छाती—जिस व्यक्ति को छाती छोटी हो, वह व्यक्ति शूरवीरता का दिखावा बहुत करता है परन्तु अन्दर से डरपोक होता है। वह सदैव दूसरों के कन्धे पर बन्दूक रख कर चलाता है। ऐसे व्यक्ति दादा गिरी में कुशल होते हैं और यदा कदा हवाई वार करते हैं।

यदि छाती पर बाल न हों और अन्य भी शुभ चिन्ह मौजूद न हों तो ऐसे व्यक्ति की आयु पूर्ण नहीं होती है।

जिस व्यक्ति को छाती पर बाल न हों और शरीर भी गठीला न हो तो ऐसा व्यक्ति भाग्यहीन समझा जाता है।

शरीर

जिस व्यक्ति का आकार और डील-डौल बहुत बड़ा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

और लम्बा हो गर्दन छोटी हो छाती उभरी हुई हो ऐसा आदमी पहलवान होता है।

जिस व्यक्ति का गंज मस्तक हो और आकार बहुत बड़ा हो, और छाती आगे की ओर अधिक न उभरी हो, शरीर मजबूत हो ऐसा आदमी उच्चाधिकारी होता है।

जिस आदमी का शरीर सख्त चेहरा मुरझाया सा शरीर की चमड़ी खुरदरी हो ऐसा व्यक्ति मजदूरी के काम करता है। यदि उसके माथे के चिन्ह अच्छे हों और गर्दन भी ठीक हो तो ऐसा व्यक्ति एक न एक दिन मेहनत मजदूरी करके ही बड़ा बनता है और धनवान बन जाता है।

जिसका शरीर लम्बा तथा मस्तक विशाल बाजू और हाथ लम्बे माथे पर चार-पांच साफ सुथरी रेखाएं हों ऐसा आदमी योगी, तेजस्वी, और महात्मा होता है।

जिसका शरीर सख्त, शक्ल डरावनी गर्दन छोटी, हाथ मजबूत, छाती चौड़ी, मूंछें बड़ी, आंखें लाल, गर्दन तनी हुई, टांगें हाथी आकार की हों ऐसा व्यक्ति भयंकर कार्य करने वाला होता है। ऐसे लोगों का प्रायः धड़ छोटा और

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

टाँगें बड़ी होती हैं।

जिस व्यक्ति की त्वचा कोमल हाथ सुन्दर और पतले आँखें सफेद और धनुषाकार हों, ऐसा व्यक्ति ऐश आराम करने वाला होता है। वह दिमाग से काम करता है सख्त काम वह नहीं कर सकता। यदि मस्तक पर और आंखों में तेज हो ओठ पतले हों गर्दन पर तीन चार लकीरें पड़ी हों। शरीर का आकार सुन्दर हो, बालों का रंग व आकार दर्शनीय हो, ऐसा व्यक्ति ऊँचा बनता है।

जिस व्यक्ति का शरीर सख्त हो लेकिन आंखें, चेहरा भोहें सुन्दर हों गर्दन पतली हो हाथ सुन्दर व नोकीले हों ऐसा व्यक्ति नर्तक होता है।

जिस व्यक्ति का धड़ बड़ा और टाँगें छोटी हों वह व्यक्ति अस्थिर स्वभाव का एवं चिढ़चिढ़ा होता है। वह जरा-जरा सी बात पर तुनक जाता है। ऐसा व्यक्ति जीवन में किसी भी क्षेत्र में पूर्ण नहीं हो पाता।

जिस व्यक्ति का धड़ और टांगें अनुपात से बराबर हों ऐसा व्यक्ति सन्तुलित होता है।

जिस व्यक्ति की टांगें और बांहें पतली हों और धड़

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मोटा हो ऐसा व्यक्ति दिमाग से अविकसित होता है। वह जीवन में कभी भी प्रगति नहीं करता और सदैव बीमार रहता है।

जिस व्यक्ति के शरीर को देखकर ऐसा महसूस होता हो जैसे कि उसके सभी अंग मानो किसी दूसरे के शरीर के लगे हों बाजू और गर्दन अलग से प्रतीत हो ऐसा व्यक्ति दूसरों को हंसाने में माहिर होगा।

कुछ लोगों का आकार दुबला होता हैं लेकिन शरीर गठीला और मजबूत होता है। हाथ सुसंगठित होते हैं शरीर लम्बा, माथा आकर्षक, नसें तनी हुई, कमर थोड़ी सी शरीर के अनुपात से पतली होती है। ऐसे व्यक्ति अक्सर खिलाड़ी होते हैं।

मुख्य रूप से भारी शरीर वाले व्यापारी, गठीले शरीर वाले पहलवान, बड़े शरीर वाले सैनिक अधिकारी, सूक्ष्म शरीर वाले राजातुल्य, सख्त शरीर वाले मजदूर, पतले और 'लचकीली बाडी' वाले कलाबाज व खिलाड़ी सौम्य चेहरे और सीधे शरीर वाले उच्च कार्य करने वाले व्यक्ति होते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पांव

बड़ा पांव—जिस व्यक्ति का आकार बहुत बड़ा न हो परन्तु पांव बहुत बड़े और खुरदरे हों ऐसा आदमी गवार व अवारा होता है। इन पांवों का एक कारण भी होता है। जो लोग बचपन से जूता नहीं पहनते। नंगे पांव सारा दिन धूल मिट्टी में घूमते हैं उन्हीं के पांव बड़े हो भी जाते हैं और कुदरती भी बड़े होते हैं।

लम्बे पांव—जिस व्यक्ति के पांव की अंगुलियां खुली हों और पांव लम्बा हो मगर शरीर के अनुसार ठीक हो ऐसा व्यक्ति 'टेक्नीशन' होता है साईन्स सम्बन्धी कार्यों में रुचि रखता है।

छोटा पांव—जिस व्यक्ति का पांव कोमल, सुन्दर छोटा और अंगुलियां नोकीली हों ऐसा व्यक्ति कलाकार होता है।

लाल और चमकता पांव जिस व्यक्ति का पांव लाल साफ सुथरा और सामान्य आकार का हो ऐसा व्यक्ति उच्च कार्य करने वाला होता है। उसके पावों से मालूम पड़ता है कि इस व्यक्ति ने कभी मिट्टी या गन्दी जगह पर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पांव नहीं रखा।

मुंगफली जैसी अंगुलियों वाला पांव— बड़े ध्यान से देखा जाए तो कुछ व्यक्तियों का पांव घुटा हुआ होता है अंगुलियां एक दूसरे से ऐसे जुड़ी होती हैं जैसे मूंगफली के दाने। ऐसे पांव वाला व्यक्ति साहित्यिक, कलाकार और फिलास्फर होता है।

गठीला पांव—कुछ लोगों की पांव की अंगुलियां गठीली और उभरी हुई होती हैं। ऐसा व्यक्ति योगी, तपस्वी व ज्ञानी होता है।

जिस व्यक्ति की अंगूठे के साथ वाली अंगुली बड़ी हो ऐसा व्यक्ति स्थिर नही होता तथा परिवार के कन्ट्रोल में नहीं रहता। वह सदैव मनमानी करता है, जो जी में आता है कर देता है।

साधारण व्यक्तियों के पांव का मध्य भाग जमीन पर नहीं लगता। ध्यान से देखा जाए तो बीच वाला हिस्सा ऊपर को उठा हुआ होता है। लेकिन इने गिने लोगों का पांव पूरा जमीन को छू रहा होता है उनके पांव वाले तल का लैवल एक जैसा होता है ऐसे लोगों का दिमाग

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri Funding: MIDF

कमजोर होता है। वे बुद्धिहीन और तुच्छ व निरर्थक बातें करते हैं। यदि चेहरे का आकार पागलों जैसा हो और पांव भी ऊपर कहे जैसे आकार वाले हो तो ऐसा व्यक्ति जन्म जात पागल होता है। ऐसे पांव चौड़ाई में कम और लम्बाई में अधिक होते हैं।

यदि पांव आगे से बहुत चौड़े पीछे से मोटे हों ऐसा व्यक्ति दुःखी रहता है।

जिस व्यक्ति के पांव के बीच का हिस्सा कुछ अधिक उठा हुआ हो वह यात्रा शील होता है।

जिन लोगों के पांव का रंग मटियाला और जली हुई मिट्टी के समान हो वह व्यक्ति हिंसक प्रवृत्ति का होता है।

जिस व्यक्ति के तलवे एक दम साफ हों, रेखाएं बिल्कुल न हों, वह व्यक्ति सदैव दुःखी रहता है।

जिन व्यक्तियों के तलवों पर अंकुश, कुण्डल, तलवार शंख, धनुष, सर्प, छत्र आदि चिन्ह हों वे व्यक्ति भाग्यशाली होता है। यदि चूहा, कौवा, शृंगाल आदि चिन्ह हों तो अभाग्यशाली होते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पांव का अंगूठा गोल लाल और सर्पाकार हों तो व्यक्ति राजा तुल्य सुख भोगता है और यदि कटा फटा, टेढ़ा मेढ़ा अंगूठा हो तो ऐसा व्यक्ति दरिद्री होता है।

शरीर के रोग

यदि किसी पुरुष की हाथ हाँव की अंगुलियों पर कानों पर और नासिका के अग्र भाग पर रोम हो तो ऐसा व्यक्ति समझदार, जमानोसाज, सावधान समय से पूर्व परिपक्व, धनी और पैनी नजर वाला होता है।

अधिक घने रोमों वाला मनुष्य धनवान व बुद्धिमान होता है। रोम हीन मनुष्य साधारण जीवन बितान वाला होता है।

नितम्ब

जिस व्यक्ति के नितम्ब बहुत मोटे हों वह व्यक्ति निर्धन होता है। मासल और पुष्ट नितम्बों वाला व्यक्ति सुखी होता है।

जिस व्यक्ति के नितम्ब पिचके हों वह निर्धन या साधारण होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जिसके नितम्ब मेंढक के सदृश हो वह व्यक्ति अय्याशी और ऐश्वर्यमय जीवन बिताने वाला होता है।

हंसना

जिस व्यक्ति के हंसते समय दांत न दिखाई दें वह उत्तम दर्जे का व्यक्ति माना जाता है। ऐसा व्यक्ति फिलास्फर और विद्वान होता है।

जिस व्यक्ति के हंसते समय दांत दिखाई दें वह दूसरे दर्जे का होता है। ऐसा व्यक्ति सचिव, क्लर्क, व्यापारी, लेखक, कवि, इंजीनियर डाक्टर आदि होता है।

तीसरे प्रकार के व्यक्तियों का हंसते समय पूरा मुंह खुल जाता है आम लोग इसी प्रकार की हंसी हंसते हैं। ये सामान्य जन होते हैं।

सबसे तुच्छ हंसी वाले व्यक्ति वे होते हैं जो हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं, उनका चेहरा लाल हो जाता है, शरीर कांपने लग जाता है, आंखों में आंसू आ जाते हैं, सारा शरीर उछल कूद करने लगता है, जोर जोर से आवाजें आनी शुरू हो जाती हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ऐसी हंसी वाले व्यक्ति असभ्य और तुच्छ बुद्धि के होते हैं। दरिद्री और धूर्त लोगों की हंसी इसी प्रकार की होती है।

जो व्यक्ति आँखें बन्द करके हंसता है वह मक्कार होता है।

जो अन्दर-अन्दर हल्की मुस्कान में हंसता है वह सज्जन और विद्वान होता है।

बातें करने का ढंग

कुछ लोग बात करते समय कान में, नाक में अंगुली डाल कर बात करते हैं। इसका मतलब है कि वह बात पूरी और सावधानी से नहीं कर रहे। वे लापरवाह होते हैं।

कुछ लोग बात करते समय चेहरे पर हाथ फेरते रहते हैं या बात करते समय इधर-उधर बगले झांकते हैं। इसका अर्थ यह होता है कि ऐसे व्यक्ति बात स्पष्ट न करके कुछ छुपा रहे हैं।

जो व्यक्ति बात करते समय आँखें बन्द कर ले या

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

आंख से आंख न मिलाये। इसका तात्पर्य यह है कि वह व्यक्ति मक्कार और धोखा बाज है वह अपने हृदय के भावों को छुपा रहा है।

कई लोग बात करते समय किसी वस्तु को तोड़ते हैं, पंखे के तीले तोड़ते हैं, कागज के टुकड़े करते हैं, चाबी के छल्ले को घुमाते हैं किताब या मैगजीन के पन्ने पलटते हैं ऐसे लोगों में हीन भावना होती है। उन्हें अपने पर पूरा भरोसा नहीं होता।

कुछ लोग बस में बैठे-बैठे टिकट चबा जाते हैं, घर में बात करते पैन की 'केप' तोड़ देते हैं, या दांतों से चबा जाते हैं, वस्तु रखते कहीं हैं और ढूंढ़ते कहीं हैं, उन्हें यह भी पता नहीं होता कि बात करते समय उनके हाथ पांव क्या कर रहे हैं, दिमाग कहां पर है ऐसे व्यक्ति लापरवाह "Absent minded" होते हैं।

कुछ लोग बात समय एक ही वस्तु को बार-बार दोहराते हैं, बार-बार उसी 'टापिक' को छेड़ते हैं या उस 'टापिक' से सम्बन्धित बात करते हैं। उस व्यक्ति के बारे में यह आसानी से सोचा जा सकता है कि वह अमुक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

विषय या 'टापिक' पर अत्यधिक चिन्तित है।

मेरे पास एक व्यक्ति आया जो बार-बार सन्तान के विषय को छेड़ता था। 'सन्तान न हो तो कोई जरूरी बात नहीं" आज की सन्तान सुख देने वाली नहीं, सन्तान पर पैसा खर्चना फिजूल है, क्या आप सन्तान के भविष्य के बारे में सब कुछ बता सकती है ?

मैंने एक दम अन्दाजा लगा लिया कि वह व्यक्ति अपने पुत्र के कारनामों से बहुत पीड़ित है। बाद में मुझे पता चला कि उसका लड़का जुआरी है और गलत सोसायटी में पड़ा हुआ है।

इसी प्रकार एक लड़की आई वह बार बार अपनी शिक्षा और प्रगति के बारे में पूछती पर हर बार यह भी कह देती दीदी प्रेम विवाह अच्छा होता है ? क्या शादी करनी चाहिए ? क्या दीदी लड़का व्यापारी होना चाहिए या नौकरी वाला ? अतः उसकी बातों से गन्ध मिल रही थी कि यह लड़की विवाह में पूरी (इच्छुक) है।

घरेलू या निकट सम्बन्धी अपराधी का पता भी बातचीत के ढंग से लगाया जा सकता है। जैसे किसी स्त्री के

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

गहने चोरी हो गए। उस समय एक व्यक्ति बहुत ज्यादा रूचि ले रहा था बार बार कहता 'जल्दी से रिपोर्ट लिखवाओ, सब की तलाशी लो, पंडित से पूछो गहने उठाने वाले का सत्यानाश हो और बिना मतलब शोर मचा कर कसमें खा रहा था अगर मैंने गहने देखे हो तो मेरा सत्यानाश हो ?

मैं वहां मौजूद थी मैंने उस औरत को साफ कह दिया कि गहने इसी व्यक्ति ने उठायें हैं (जो वास्तव में उसका दामाद भी था) सचमुच गहने उसी के पास से मिले।

जो व्यक्ति सच्चा होता है उसे ज्यादा बात और उछल कूद की जरूरत नहीं होती। दाड़ी में तिनका होता है। जिसकी दाड़ी में तिनका होता है वह बार बार दाड़ी टटोलता है।

मेरे पास एक दर्जी आया। वह बहुत परेशान था। हर रोज उसकी एक दो पैण्टें खो जाती थी। मैंने उसको एक सलाह दी कि जो व्यक्ति तुम्हें जांच पड़ताल की सलाह दे, या हमदर्दी जताए, ज्यादा चिन्तित होने का दिखावा करे या बार बार पूछे "कुछ पता लगा आप ने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पैण्टें कहां रखी थी ? कैसे रंग की थी" ? आदि बातें करे और हो भी तुम्हारा कर्मचारी तो फोरन उसे ही पकड़ लो ।

यह एक नियम है जो मां से ज्यादा प्यार करती है वह निश्चय ही डाइन है । जो जरूरत से ज्यादा हमदर्दी करे वह निश्चय ही चोर है ।

कुछ लोग बात करते समय या बहस करते समय झगड़ पड़ते हैं शोर मचाने लगते हैं । गाली देना शुरू कर देते हैं । ऐसे व्यक्ति भीरू प्रवृति हीन भावना का शिकार होते हैं । जीवन में उनकी इच्छाएं पूरीं नहीं होती । इन्हें लोगों से धोखे मिलते हैं । घरेलू ये एवं मां बाप भाई बहिन के सुख से वंचित होते हैं । इनका दिमाग कमजोर हो चुका होता है । अतः जब भी ऐसे लोगों के साथ बात करों तो यह चिल्ला उठते हैं झगड़ पड़ते हैं । वास्तव में इनमें बरदाश्त का मादा कम होता है ।

कई लोग आपसी वार्तालाप के बीच बीच में बोल पड़ते हैं । लोगों की बात काट देते हैं या उनकी पूरी बात सुने बिना अपनी बात चालू कर देते हैं । ऐसे लोग मिथ्या

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

भिमानी, धूर्त एवं शेखी बघारने वाले होते हैं।

कई लोग सुनते किसी की नहीं, अपनी बहुत सुनाते हैं। ऐसे लोग अपने को बहुत ज्यादा समझदार समझते हैं उनमें धीरज और लोगों के प्रति हमदर्दी की भावना नहीं होती है। वे स्वार्थी होते हैं। अपना दुःख लोगों पर लादतें हैं। किसी का दुःख सुनने को तैयार नहीं होते।

बहुत बार देखा गया है कि लोग बात करते समय जोर शोर अधिक लगातें हैं परन्तु बात में कोई सार नहीं होता। ऐसे लोग बात बात पर कसमें भी खाते हैं। इनके विषय में यही कहा जा सकता है "थोथा चना बाजे घना"।

बात करते समय कुछ लोग किसी छोटी सी बात को बढ़ा चढ़ा कर करते हैं, बात को घुमा फेर कर करते हैं, बात को घुमा फेर कर अन्य कई बातें साथ जोड़कर फिर असली बात कहते हैं ऐसे व्यक्तियों को "दीर्घसूत्री की संज्ञा दी जा सकती है इनमें 'आत्म विश्वास' की भावना बहुत कम होती है।

इसके विपरीत कुछ लोग एक दम किसी बात को

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

एक वाक्य में कह डालते हैं। ऐसे लोगों में 'आत्म विश्वास जरूरत से ज्यादा होता है।

अतः किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व को जानने के लिए या अन्य गुण दोषों को समझने के लिए आपसी वार्तालाप काफी मदद करता है। जो लोग इन्टरव्यू देते हैं उसका मतलब परीक्षा देना नहीं होता बल्कि अपने अन्दर छुपे गुणों अवगुणों का प्रदर्शन करना होता है। बात करने का ढंग किसी के भविष्य बताने में बहुत मदद करता है। अन्य मुख्य बातें :—

१. जो व्यक्ति बात करते करते बाहर चला जाए वह असभ्य होता है। उसे सोसायटी में बैठने के नियम पता नहीं।

२. जो लोग भाषण, गाना या मिटिंग के बीच में ही चले जाते है उनमें साधारण मनो-विज्ञान की कमी है।

३. जो लोग बात शुरू करने से पहले किसी को सूचित नहीं करते या किसी की बात सुनते, सुनते बिना पूछे या बताये किसी और से बातें शुरू कर देते हैं। वह गंवार होते हैं उनमें साधारण बुद्धि की कमी होती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

४. जो किसी की अच्छी बात सुनकर तारीफ नहीं करते और बुरी बात सुनने पर उसकी आलोचना नहीं करते या बात कहने वाले को सीधी राय नहीं देते ऐसे लोग दुष्ट स्वभाव के होते हैं।

४. कुछ लोग बात किसी से करते हैं और देखते किसी ओर को हैं। ऐसे लोग लापरवाह होते हैं। वास्तव में उन्हें बात करने वाले में कोई दिलचस्पी नहीं होती।

६. जो व्यक्ति अपनी तारीफ स्वयं करता है वह वास्तव में मूर्ख होता है।

७. जो लोग बात करते समय आंखें झपकायें या आंखें न मिला सकें उनके मन में कोई चोर होता है।

८. जो व्यक्ति गर्दन एवं छाती तान कर बात करें और बार-बार छाती ठोके, मुक्के जमाये, हाथ पर हाथ मारे दोनों बाहों को इधर उधर घुमाये ऐसे व्यक्ति अपने आप को होशियार और दादा समझते हैं।

९. जो लोग आराम से, धीरे से, लोगों की इच्छा से व उनकी इज्जत से, लोगों की बात ध्यान से सुन कर अपनी बात कहते हैं, वे समझदार बुद्धिमान और सभ्य होते हैं।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तिल द्वारा भाग्य विचार

मनुष्य के शरीर पर पड़े हुए तिल मस्सों का बहुत अर्थ और बहुत प्रभाव होता है। कुछ लोग बिना जानकारी के शरीर पर पड़े तिलों का शुभ अशुभ अर्थ बता देते है। जो सही नहीं होता। जैसे हाथ पर पड़े तिलों का जोरदार प्रभाव होता है वैसे शरीर के अन्य भाग पर पड़े तिल भी विशेष महत्व रखते हैं।

तिल या मस्से के विषय में सही जानकारी रखना बहुत जरूरी है। एक व्यक्ति की हथेली के शनि क्षेत्र पर तिल था कि उसकी हथेली में काला तिल है वह जरूर धनी बनेगा। मैंने उसे समझाया शनि क्षेत्र पर तिल का होना शुभ नहीं होता ऐसा व्यक्ति अवश्य जेल जाता है। तो वह व्यक्ति विगड़ गया। कुछ महीने बाद सचमुच जेल चला गया। अतः तिल का ठीक अर्थ समझना और कहना बहुत जरूरी है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

स्त्री और पुरुष के चिन्हों का अर्थ एक जैसा होता है अन्तर इतना है कि जो चिन्ह पुरुष के बाईं ओर हो वह अशुभ माने जाते हैं। और जो दाईं ओर हों वह शुभ माने जाते हैं। इसी प्रकार स्त्री के बाईं ओर पड़े तिलों को शुभ और दाईं ओर पड़े हुए तिलों को अशुभ माना जाता है। काले तिलों की भांति ही लाल तिलों का प्रभाव स्त्री पुरुष के लिए एक जैसा ही होता है।

पुरुष के शरीर पर पड़े तिलों का प्रभाव

मस्तक पर :—यदि पुरुष के माथे के ठीक बीच में लाल या काला तिल हो तो ऐसा पुरुष समाज में प्रतिष्ठित गौरवशाली, उत्तम स्त्री वाला एवं सब-सुखों को भोगने वाला होता है।

सिर पर :—यदि किसी व्यक्ति के सिर के दांए भाग पर तिल हो तो सरकार से सम्मान मिलता है कोई न कोई उपाधि या ताज पहनने को मिलता है। ऐसा आदमी प्रतिष्ठित और उच्चपदाधिकारी होता है।

यदि यही तिल बांए भाग पर हो तो व्यक्ति का

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

जीवन संघर्षमय होता है। लोग उससे घृणा करते हैं। परिवारिक जीवन कलह पूर्ण होता है।

आंखों पर तथा भौहों पर तिल :—यदि पुरुष के आंख में तिल हो तो ऐसा पुरुष राजनीति में कुशल एवं नेता होता है।

और यही तिल आंखों के ऊपर हो तो व्यक्ति स्त्री प्रेम से पीड़ित मगर धनवान और ऐश्वर्य वान होता है।

यदि किसी व्यक्ति की दोनों भौहों में लाल या काला तिल हो तो ऐसा व्यक्ति उच्च कुल में पैदा हुआ होता है। उसे धर्म, राजनीति साहित्य सभी में बहुत रुचि होती है। यदि तिल काला हो तो व्यक्ति जितना धन कमाने में चतुर होता है उतना खर्च करने में भी।

गालों पर तिल :—यदि किसी व्यक्ति के दांए गाल पर काला या लाल तिल हो उसे धन मिलता है तथा स्त्री ऊंचे घराने की और सुन्दर मिलती है।

यही तिल बांए गाल पर हो तो व्यक्ति गरीबी और कई बीमारियों से जूझता रहता है।

होंठ पर तिल—यदि किसी व्यक्ति के ऊपर के ओठ

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पर तिल हो तो वह कुशल वक्ता और धनवान होता है। यदि निचले ओठ पर तिल हो तो व्यक्ति विषयी, लालची और बातूनी होता है।

कान और गर्दन—यदि किसी व्यक्ति के दांए कान पर काला या लाल तिल हो तो व्यक्ति को नाना प्रकार के राजसी गहने मिलते हैं पर साथ ही बाईं ओर भी यही तिल हो तो यह प्रभाव खत्म हो जाता है।

छाती पर तिल—यदि किसी पुरुष का दाईं छाती पर काला या लाल तिल हो तो व्यक्ति को धन, यश, मान व सुन्दर स्त्री प्राप्त होती है, और यदि बाईं ओर यही तिल हो तो उपरोक्त गुणों में कमी आ जाती है।

हाथों पर तिल—हाथों पर तिलों का बहुत महत्व है। यदि पुरुष के दायें हाथ की हथेली के ठीक बीच में काला तिल हो तो व्यक्ति सुखी धनी और खजाने का अधिकारी होता है। यही तिल शुक्र क्षेत्र पर अर्थात् अंगूठे के एक दम नीचे हो तो व्यक्ति को गुप्तेन्द्रिय रोग होता है और उसे स्त्री के कारण अपमानित होना पड़ता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यदि यही चिह्न चन्द्र क्षेत्र, हथेली के किनारे पर हो तो व्यक्ति की दुर्घटना से मृत्यु होती है।

यदि पंजे पर तिल हो तो व्यक्ति निडर होता है।

यदि कनिष्ठिका अंगुली के पृष्ठ भाग पर काला तिल हो तो व्यक्ति जासूस होता है।

यदि किसी पुरुष के दाईं हथेली के पृष्ठ भाग पर काला तिल हो तो व्यक्ति धनी मगर कंजूस होता है।

तिलों का किसी रेखा पर होना शुभ नहीं माना जाता।

यदि जीवन रेखा पर तिल हो तो व्यक्ति को जिगर की बीमारी होती है।

बुद्धि रेखा या शनि रेखा पर तिल हो तो व्यक्ति का दिवाला निकल जाता है।

विवाह रेखा पर तिल हो तो शादी में रुकावटें होतीं हैं और सन्तान नहीं होती।

कन्धे और भुजाओं पर तिल—यदि व्यक्ति के दाएं कन्धे पर तिल हो तो व्यक्ति कलाकार, घुड़सवार और सेना में उच्च पदाधिकारी होता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बाएं कन्धे पर तिल का फल अधूरा होता है। ऐसा व्यक्ति मामूली सैनिक और यदा कदा करतब दिखाने वाला होता है।

यदि किसी आदमी के दाईं भुजा पर तिल हो तो उसे संगीत का, और संगीत के साज बजाने का बहुत शौक होता है। वैसे ऐसा व्यक्ति घुड़दौड़ लाटरी, जुआ आदि कार्यों से धन कमाने में सिद्ध हस्त भी होता है।

यही तिल बाईं बाजू पर हो तो व्यक्ति को कई प्रकार के कार्यों में घाटा पड़ता है जमीन जायदाद को लेकर भाईयों से विरोध होता है। एक्सीडेंट और झगड़े का खतरा रहता है।

टांगों पर काला या लाल तिल—यदि किसी व्यक्ति की टांगों पर यह तिल मौजूद हो तो ऐसा व्यक्ति यात्राएं बहुत करता है। उसके पास अपनी सवारी भी होती है। यदि शरीर गठीला कन्धे ऊंचे उभरे हुए हों तो ऐसा व्यक्ति सेना में किसी उच्च पद पर होता है।

यदि यही तिल बाईं टांग पर हो तो वे व्यक्ति दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं और व्यर्थ उन्हें भटकना

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ड़ता है।

पांव के तलवों पर चिन्ह—यदि किसी व्यक्ति के दाएं पांव के तलवे पर तिल हो तो व्यक्ति की जीविका उपार्जिग का साधन घूमना होता है। संस्था का प्रचारक, देश-विदेश में निजी धर्म को फैलाने वाला या संसार प्रसिद्ध व्यक्ति होता है। यदि तिल के साथ-साथ शंख, चक्र अन्य शुभ चिन्ह मौजूद हों तो व्यक्ति पूजनीय होता है। जन और लक्ष्मी दोनों उसके चरण चूमते है। यदि बाएं पांव के तलवे पर चिन्ह हो या तिल हो तो व्यक्ति व्यर्थ में घूमता है अवारा गर्दी करता है उसे ज्यादातर निराशा ही मिलती है,

आंखों के अन्दर तिल—जिस व्यक्ति की दाईं आंख के अन्दर तिल हो तारे के ऊपर या साथ हो ऐसे आदमी को स्त्रियों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहता है। ऐसे व्यक्ति को स्त्री का भी सुख मिलता रहता है। और उसकी कला व संगीत में पूर्ण रुचि रहती है।

स्त्रियों के अंगों पर पड़े हुए तिलों का प्रभाव

कहा जाता है कि स्त्री पुरुष की अर्द्धाङ्गिनी होती है

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

और उसका बांयां अंग होती है। अतः स्त्री के बाएं अंगों पर पड़े हुए तिलों का प्रभाव शुभ और दाएं अंगों पर पड़े हुए तिलों का प्रभाव अशुभ होता है।

किसी महिला के अंगों पर पड़े तिलों का अध्ययन करते समय इस बात का अवश्य ध्यान रखें कि वह महिला शादी शुदा है या कुंवारी। कुंवारी लड़की के तिलों का प्रभाव कुछ और होता है क्योंकि उस समय वह मां बाप के साथ जुड़ी होती है। उसका भाग्य सदैव शादी के पश्चात् बनता और बिगड़ता है। एक लड़की जो रिश्ते में मेरी बहन थी उसके दाएं गाल पर बहुत बड़ा तिल और मस्सा था। उसके दाएं गाल पर तिल का होना अशुभ माना जाता है लेकिन वह लड़की मां बाप के घर अत्यधिक सुखी थी। जो चाहती प्राप्त कर लेती। परन्तु ज्यों ही उसका विवाह हुआ उसने मां बाप के घर से विदा ली त्यों ही भाग्य भी उससे विदा हो गया। उसके दस बच्चे हो गए और पति केवल दो तीन सौ रुपये कमाने वाला। अब वह दो जून रोटी भी मुश्किल से जुटा पाती है।

१. यदि किसी महिला के सिर के बीच में तिल हो

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

तो ऐसी स्त्री भाग्यशालिनी होती है। वह पवित्र आत्मा और पतिव्रता होती है। उसे ससुराल में पूर्ण सुख और इज्जत प्राप्त होती है।

२. यदि किसी स्त्री के सिर में दाईं ओर तिल हो ऐसी स्त्री को किसी पद से सम्बन्धित ताज पहनने के लिए मिलता है उसकी प्रसिद्धी होती है तथा वह संसार प्रसिद्ध महिला होती है। देश विदेश भ्रमण करती है ऐसी स्त्री की मनो स्थिति ठीक नहीं रहती। उसकी आन्तरिक चिंता बनी रहती है।

यदि यही तिल दाईं ओर हो तो स्त्री के सिर में चोट लगती है। सिर का दर्द बना रहता है। कई बार ऐसी स्त्री का मानसिक सन्तुलन बिगड़ जाता है। पति सुख से बंचित रहती हैं।

३. यदि किसी महिला के माथे के बीच में तिल हो तो ऐसी महिला यश को पाती है। मित्र वर्ग में उसकी अच्छी मानी जाती है उसके दुश्मन मुंह की खाते हैं। यही तिल बाईं ओर हो तो स्त्री को पति का पूर्ण सुख मिलता है। वह सभी सुखों को प्राप्त करती है और यदि तिल

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

दाईं ओर हो तो पत्नी सुख से वंचित, निराश रहने वाली पुत्र से चिंतित, घरेलू कलह से व्याकुल रहती है।

४. भौंहों के बीच में किसी भी स्थान पर काले या लाल तिल का होना शुभ नहीं माना गया। आजकल शायद इसकी परिभाषा बदल चुकी हो क्योंकि पहले जमाने में जो स्त्री पुरुष के सम्मुख बात करती ऊंचा बोलती या मुंह उघाड़ कर बात करती उसे ओछी और चरित्र-हीन माना जाता था लेकिन आज की स्त्री हर क्षेत्र में खुल कर भाग लेती है और बोलती है। अतः आज की भाषा में तिल का भौंहों के बीच होना कोई अशुभ नहीं है खुल कर शराब सिगरेट पीने वाली महिला इसी प्रकार की समझी जा सकती है।

ऐसी स्त्री को विवाह का पूर्ण सुख प्राप्त नहीं होता उसके सिर में दर्द रहता है।

५. किसी स्त्री की दोनों आंखों के नीचे अथवा दाएं या बाँए कहीं भी तिल हो ऐसी स्त्री को स्वेच्छाकारिणी कहा जा सकता है। वह सन्तान एवं पति सुख से वंचित रहती है। गन्दे कर्म करने के कारण अनेक गुप्त रोगों का

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

शिकार बनती है। ऐसी स्त्री प्रायः अल्पायु होती है

६. यदि किसी स्त्री की बाईं आँख में तिल हो उसे पति का पूर्ण सुख प्राप्त होता है। वह सधवा मरती है। घर में सभी लोग उसकी इज्जत करते हैं।

७. किसी औरत के बाएं गाल पर काला तिल हो ऐसी स्त्री सुन्दर समझी जाती है। उसे जीवन में सभी सुख प्राप्त होते हैं। उसकी एक बदकिस्मती होती है वह यह कि उस पर बहुत लोगों की दृष्टि रहती है और सभी उसे पाने की ताक में रहते हैं।

८. यदि यही तिल किसी स्त्री के दाएं गाल पर हो तो ऐसी स्त्री कुलक्षनी और झगड़ालू होती है। उसका चालचलन भी अच्छा नहीं होता।

९. यदि किसी स्त्री की नाक पर तिल हो उसे बहु-मूल्य हीरे की लोंग मिलती है।

१०. यदि कान पर काला तिल हो (चाहे दाएं या बाएँ) तो स्त्री को कई प्रकार के आभूषण मिलते हैं।

११. यदि किसी स्त्री के गले के बीच में काला या लाल तिल हो तो ऐसी स्त्री का घर में पूरा मान होता

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

है। वह घर की संचालिका होती है। उसे नाना प्रकार के रत्न जड़ित आभूषण मिलते हैं। वह रानी के समान सुख भोगती है।

१२. यदि स्त्री के ओठों पर काला तिल हो तो ऐसी स्त्री बहुत कामवासिनी होती है। उसे चुम्बन लेने का और चुम्बन देने का बहुत शौक होता है। वह बनाव-शृंगार की भी बहुत शौकीन होती है। चाहे पति की हैसियत कैसी भी क्यों न हो वह अपने को बनाने में कसर नहीं छोड़ती।

यदि तिल ओंठ के बाएं ओर एक कोने पर तिल हो वह स्त्री धनधान्य से पूर्ण पुत्र-पति के सुख से सम्पन्न और बहुत बड़े कुटुम्ब वाली होती है। यदि तिल दाईं ओर हो तो ऐसी स्त्री परिवार से चिन्तित रहती है।

१३. यदि किसी स्त्री की बाईं बगल में या बगल से ऊपर काला तिल हो ऐसी स्त्री भिन्न-भिन्न एवं नये वस्त्र पहनने की शौकीन होती है। उसे खाने-पीने का ज्यादा लालच नहीं होता। कपड़ों का बहुत लालच रहता है। सौभाग्य की बात यह है कि ऐसी स्त्री चाहे

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कैसे भी घराने से सम्बन्ध रखे उसे पहनने को इच्छानुसार वस्त्र मिल ही जाते हैं।

१४. किसी स्त्री की बाईं छाती पर तिल हो तो ऐसी स्त्री पुत्रवति और सुन्दर एवं पुष्ट छाती वाली होती है।

यदि दाईं छाती पर तिल हो तो ऐसी स्त्री विलासिनी होती है। उसकी छाती की सुन्दरता के कारण बहुत लोग उसे अपनी वासना का शिकार बना लेते हैं। कभी-कभी इस प्रकार की स्त्री को छाती सम्बन्धी रोग हो जाते हैं।

१५. बाजू पर तिल :—यदि किसी स्त्री के बाएं बाजू पर तिल हो उस स्त्री को कई प्रकार के कंगन और चूड़िया पहनने को मिलती हैं। तिल बड़ा और गहरा हो तो ऐसी स्त्री कला, संगीत, साहित्य, काव्य एवं लेखन-कार्य में रुचि रखने वाली होती है। यदि किसी स्त्री के हाथ सुन्दर, अंगुलियां नोकीली और शरीर का ढांचा सुन्दर हो तो ऐसी स्त्री के नर्तकी बनने की सम्भावना रहती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यदि तिल बाईं बाजू के साथ-साथ दाईं बाजू पर भी विराजमान हो तो स्त्री में सभी गुण मौजूद होते हैं लेकिन वह पूर्ण किसी क्षेत्र में भी नहीं होती।

१६. जंघाओं पर काले व लाल तिल—जिस महिला की बाईं टांग पर तिल हो ऐसी महिला हुकुमत करने वाली होती है। घर पर उसी की चलती है। अव्वल तो ऐसी औरत के घर में बहुत से नौकर चाकर रहते हैं नहीं तो घर का प्रत्येक प्राणी उसके आगे नौकरों की तरह रहता है और उसके किसी भी कार्य की या मांग की अवहेलना नहीं कर सकता। ऐसी स्त्री भ्रमणशील होती है रमणीय स्थानों की यात्रा करने में विशेष रुचि रखती है।

यदि ऐसी स्त्री की दाईं टांग पर भी तिल हो या केवल दाईं टांग पर ही तिल हो तो उस स्त्री के जीवन में चैन बिल्कुल नहीं होता वह व्यर्थ में भटकती रहती है।

१७. पांव में तिल—यदि किसी स्त्री के पांव के ऊपरी भाग पर तिल हो ऐसी स्त्री भाग्यशालिनी और नृत्याङ्गना होती है। उसके पांव सदैव थिरकते रहते हैं। भले ही वह नर्तकी न बने पर नाच में उसकी रुचि होती है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

यदि दांए पांव के ऊपर तिल हो तो ऐसी स्त्री नौटंकी में नृत्य कार्य करती है।

यदि किसी स्त्री के बांए पांव के तलवे पर काला तिल हो तो वह स्त्री बहुत यात्राएँ करती है। उन यात्राओं से मानसिक और आर्थिक लाभ भी होता है ऐसी स्त्री को सरकार और जनता का पूर्ण सहयोग मिलता है, जिस कारण उसे देश विदेश भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होता है।

यदि यही तिल किसी स्त्री के दाएँ पांव के तलवे पर हो तो ऐसी स्त्री आवारा होती है और वह बिना किसी मतलब के इधर उधर घूमती रहतीं है। वह जिस स्थान पर भी जाती है अपमानित होकर लौटती है।

१८. हाथों पर तिल :—हथेली पर तिलों का होना शुभ माना गया है लेकिन हथेली में पड़ी रेखाओं पर पड़े काले तिलों का होना शुभ नहीं माना गया।

यदि किसी स्त्री के अंगूठे के नीचे शुक्र क्षेत्र पर काला तिल हो तो ऐसी स्त्री कामवासना के कारण इधर-उधर भटकती रहती है और अपमानित होती रहती है। वह

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

किसी पुरुष के कारण निंदित होती है। यदि सूर्य रेखा (छोटी अंगुली के साथ अनामिका अंगुली के नीचे) के ऊपर काला तिल हो तो ऐसी स्त्री की समाज में निन्दा होती है। किसी स्त्री की हृदय रेखा पर तिल हो तो प्रेम के धोखे के कारण हृदय रोगों का शिकार हो जाती है।

यदि किसी स्त्री की विवाह रेखा पर काला तिल हो तो उसका पति नपुंसक होता है।

दिमाग की रेखा पर तिल हो तो ऐसी स्त्री को दिमागी बिमारी होती है।

यदि तिल हथेली के बीच में हो और मुठ्ठी बन्द करने पर, मुठ्ठी के बीच में आता हो तो ऐसी स्त्री बहुत धनी और सब सुखों से पूर्ण होती है उसके घर से लक्ष्मी कभी नहीं जाती। उसकी सन्तान आज्ञाकारी होती है।

यदि काला तिल चन्द्र पर्वत पर हो तो ऐसी स्त्री को जलोदर की बिमारी होती है या पानी के कारण बिमारी होती है।

यदि काला तिल हथेली के पृष्ठ भाग पर हो तो ऐसी

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

स्त्री को पंचागला अर्थात पांच अगूठियों से बना एक गहना मिलता है । अन्य भी कई प्रकार की अंगूठियां मिलती हैं।

यदि किसी स्त्री की दांए हाथ के प्रष्ठ भाग में कनिष्ठका अंगुली पर काला तिल हो ऐसी स्त्री जासूसी में बहुत चतुर होती है। तथा जासूस विभाग में काम भी करती है।

यदि किसी स्त्री के दांये और बांये दोनों अंगों पर तिल हों तो ऊपर कहे तिलों का फल आधा रह जाता है।

यदि किसी स्त्री की गुप्तेन्द्रिय पर काला तिल हो तो स्त्री काम-वासना में लिप्त रहने वाली होती है। उसे एक व्यक्ति से तृप्ति ही नहीं होती और वह कई मर्दों में रूचि रखती है। वह वफादार किसी के प्रति नहीं रहती है।

यदि तिल अन्दर की ओर हो तो स्त्री गुप्त रोगों का शिकार होती है।

टिप्पणी :—तिलों का अध्ययन करते समय एक

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि तिल कुदरती हैं या बिमारी के कारण कुछ समय के लिए बने हैं। कुछ गोरे रंग की स्त्रियों पर पूरे शरीर पर काले और लाल तिल होते हैं जो बिमारी के कारण या किसी दोष के कारण पूरे शरीर पर होते हैं। ऐसे तिलों का कोई भला बुरा परिणाम नहीं होता।

कुछ अन्य तिल

जो स्त्री और पुरुष दोनों के लिए सामान्य अर्थ रखते हैं, वे इस प्रकार हैं :—

कान के अन्दर या कान के मोड़ पर तिल :—यदि इस प्रकार का तिल स्त्री या पुरुष किसी के भी कान पर हो तो ऐसा स्त्री या पुरुष संगीत सुनने के बहुत शौकीन होते हैं। उन्हें भाषण कविता एवं अच्छी बातें सुनने का बहुत चाव रहता, है यदि तिल विपरीत स्थिति में हो अर्थात् पुरुष का बांए और स्त्री का दांए कान में काला तिल हो तो ऐसे लोग दूसरों की निन्दा सुन कर प्रसन्न होते हैं। गाली गलोच और गन्दी बातें सुनने और कहने

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

में उन्हें बहुत मजा आता है।

यदि काला तिल पीठ पर हो :-तो ऐसे पुरुष अथवा स्त्री पर बहुत से लोगों की जिम्मेदारी रहती है। घर में उन्हें पूरे परिवार की समस्याओं का समाधान करने की चिन्ता बनी रहती है और बाहर या दफ्तर में अपने से छोटी कलास के लोगों का ध्यान रखना उनके कार्य कलापों की निगरानी रखना व उनके द्वारा पैदा की गई मुसीबतों को समेटने का काम इन्हीं लोगों पर होता है।

कान के निकट तिल :—यदि किसी पुरुष के कान के निकट और आंख के सीध में तिल हो तो ऐसे पुरुष का स्वभाव तीक्ष्ण शरारती और उद्दण्डतापूर्ण होता है। प्राय: उसका सन्तान से विरोध बना रहता है। ऐसे व्यक्ति को प्राय: सन्तान-सुख होता ही नहीं। ऐसे व्यक्ति को किसी कुटुम्बी या मित्र से बहुत सा धन प्राप्त होता है।

यदि इसी स्थान पर काले रंग का तिल हो तो व्यक्ति को प्रेम एवं मित्रता में धोखा मिलता है। उसे किसी के कारण धन हानि भी होती है।

स्त्री के कान के पास तिल हो तो शुभ नहीं होता।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

ऐसी स्त्री या तो बिमारियों का शिकार होती है या उसको पानी सम्बन्धी कोई दुर्घटना होती है।

यदि कान के मध्य भाग के सामने या कान के पास काला तिल हो तो उस व्यक्ति या स्त्री का आचार-विचार खराब होता है। उसे सदा अपयश ही मिलता है चाहे वे कोई अच्छा कार्य ही क्यों न करें।

यदि तिल लाल हो तो ऐसे लोग उदासीन, निर्धन, व्याकुल एवं अस्वस्थ होते हैं।

यदि कान की समाप्ति के पास कनपटी पर लाल तिल हो तो ऐसे स्त्री, पुरुष का भाग्योदय विवाह के बाद होता है। कोई स्त्री पुरुष, अपना धन ऐसे लोगों को विरासत में दे देता है। इन्हें अचानक धन लाभ का पूरा योग होता है। स्त्री के चेहरे पर इस प्रकार का तिल हो तो ऐसी स्त्री ऐश्वर्यशाली गुणी, बुद्धिमति, कला प्रेमिका, और अन्य कई गुणों से पूर्ण होती है।

यदि इसी स्थान पर काला तिल हो तो व्यक्ति मध्यम वर्ग जैसा जीवन बिताता है मेहनत द्वारा धन कमाकर गुजारा करता है।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

पसली व कमर पर काला या लाल तिल :—यदि किसी पुरुष की कमर पर शहद के रंग जैसा तिल हो तो ऐसा व्यक्ति विदेश में जाकर धन कमाता है।

यदि इसी स्थान पर काला तिल हो तो व्यक्ति पर ३० वर्ष की अवस्था में कोई न कोई घोर संकट आता है। ऐसा व्यक्ति किसी दुर्घटना या बिमारी का शिकार होता है। पारवारिक कलह से पीड़ित रहता है। मित्र, शत्रु बन जाते हैं। स्त्री की कमर पर भी तिल का यही प्रभाव होता है।

पेट पर तिल :—यदि किसी व्यक्ति के पेट पर लाल रंग का तिल हो तो ऐसा व्यक्ति अपनी योग्यता एवं वाक्पटुता के आधार पर निरन्तर प्रगति करता है। उसे उच्च पद प्राप्त होता है उसकी पत्नी भी उच्चपदाधिकारिणी होती है।

यदि तिल का रंग काला हो और पुरुष की बाईं ओर नाभि के पास स्थित हो तो ऐसे व्यक्ति को पेट सम्बन्धी कई प्रकार की बिमारियां होती हैं।

स्त्री के पेट पर इस प्रकार का तिल हो तो उसका

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

गर्भपात होता है।

घुटनों पर तिल का प्रभाव :—यदि किसी जातक के घुटनें पर शहद के रंग का तिल हो तो उसके जीवन के दो भागों में आर्थिक स्थिति सामान्य रहती है और तीसरे भाग में धन कई तरीकों से आना शुरू हो जाता है। ऐसा जातक मिट्टी से भी धन प्राप्त करता है। ऐसे व्यक्ति में एक भयंकर दोष होता है वह अपना सारा धन स्त्री के कारण नष्ट कर देता है।

ठोड़ी पर तिल :—यदि किसी व्यक्ति का ठोड़ी पर लाल तिल हो तो ऐसा व्यक्ति विषयी, धोखें बाज, लालची, विश्वासघाती, मिथ्याभिमानी और मुकद्दमे बाज होता है। यदि यह कभी अच्छा बन भी जाए तो लोग उस पर विश्वास नही करते।

यदि इसी स्थान पर काला तिल हो तो ऐसा व्यक्ति निर्धन, मेहनती और अनियमित जीवन व्यतीत करने वाला होता है। यह बेमौके काम करने के कारण कई रोगों का शिकार हो जाता है।

यदि स्त्री की ठोड़ी पर काले या लाल रंग का तिल

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हो तो ऐसी स्त्री ऐश्वर्य शालिनी, पतिव्रता व सर्व गुण सम्पन्न होती है। यदि उसके शरीर के अन्य लक्षण भी शुभ हों तो ऐसी स्त्री राजसी ठाठ में रहती हैं।

यदि पुरुष की ग्रीवा के मध्य भाग में काला तिल हो तो उसकी अचानक मृत्यु होती है।

यदि तिल दाईं ओर हो तो ऐसा पुरुष बुद्धिमान होता है। यदि स्त्री और पुरुष की ग्रीवा के बाईं ओर तिल हो तो उनकी मृत्यु किसी ऊंचे स्थान से गिरने से होती है।

यदि पुरुष या स्त्री के दायीं छाती के नीचे काला या लाल तिल हो तो उन्हें ससुराल से या पिता से काफी धन मिलता है।

यदि काला या लाल तिल स्त्री की बाईं ओर हो तो वह पतिव्रता और अपने परिवार को प्यारी होती है और यही तिल पुरुष की बाईं छाती के नीचे हो तो ऐसा पुरुष तेज और क्रूर स्वभाव का होता है। वह मेहनत कम करता है और फल अधिक पाता है।

यदि जातक के दाएं कन्धे पर काला या लाल तिल

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हो तो वह अति धनवान समझा जाता है और यदि यही तिल बाएं कन्धें पर हो तो उसका फल न के बराबर होता है।

स्त्री के कन्धों के ऊपर काले या लाल तिलों का होना शुभ नहीं।

ऊण्ड कोष :– यदि किसी पुरुष के अण्ड कोष पर काला या लाल तिल हो उसे या तो हर्नियों की बिमारी होती है या नपुंसकता होती है।

यदि घुटने पर काला तिल हो तो व्यक्ति प्रगति भी एकदम करता है [और उसकी अवनति भी अचानक हो जाती हैं। ऐसे व्यक्ति की किसी ऊंचे स्थान से गिरने की आशंका बनी रहती है।

यदि यही तिल {किसी स्त्री के घुटनों पर हों तो वह स्त्री सदैव घूमती रहती है। उसका स्वभाव चंचल होता है। उसे यश अपयश की कोई परवाह नहीं होती।

घुटने के भीतरी भाग पर तिल :—यदि किसी व्यक्ति के घुटने के भीतरी भाग में लाल तिल हो तो उसके मित्र गुप्त रूप से शत्रु बनकर उसे हानि पहुंचाते

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

हैं। ऐसा आदमी सदैव लड़ाई झगड़ों में जूझने के कारण तरक्की नहीं कर पाता। यदि तिल काले रंग का हो तो ऐसा व्यक्ति अपने गलत व्यवहार के कारण कई स्थानों से हानि उठाता है।

स्त्री का इसी स्थान पर लाल तिल हो तो वह गुप्त रूप से लोगों से सम्बन्ध बनाती है। यदि काला तिल हो तो उसकी बुराईयों का पर्दाफाश भी हो जाता है।

मस्सा वर्णन

मस्सा वह होता है जो काले रंग का छोटा सा टुकड़ा त्वचा से अलग ऊपर को उठा दिखाई देता है। इसके आस पास बाल नहीं होते।

रोम युक्त मस्सा :—वह होता है जिसका आकार लगभग मस्से जैसा होता है। परन्तु न तो यह ऊपर को उभरा होता है न त्वचा से अलग दीखता है इसके आस पास छोटे छोटे बाल होते हैं।

मस्सा बाजरे के दाने के बराबर हो तो अच्छा समझा जाता है। बहुत बड़ा मस्सा अच्छा नहीं समझा जाता और उसका कोई फल भी नहीं होता।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

मस्से का रंग काला, गुलाबी हल्का पीलापन लिए हुए तथा गुलाबी कुछ सफेदी लिये हुए होता है।

कहा जाता है कि मस्सा शरीर के रंग के अनुसार हो तो शुभ समझा जाता है। वैसे 'वराह मिहिर' के अनुसार प्रत्येक वर्ण के लिए एक विशेष रंग का मस्सा ही फलदायी होता है। जैसे :—

ब्राह्मण के लिए :—लालिमा और चमक लिए हुए मस्सा हो तो अत्याधिक फलदायक होता है काला हो तो विशेष फलदायी नहीं होता।

क्षत्रिय के लिए :—थोड़ा गुलाबी और थोड़ा सफेद रंग का मस्सा ही सौभाग्य का चिन्ह है।

वैश्य के लिए :—लाल और पीले रंग से मिश्रित मस्सा शुभ माना गया है।

शूद्र के लिए :—सभी प्रकार के मस्से शुभ माने गये हैं।

पाश्चात्य विद्वान् मस्सा लहसन अदि का फल तिल की भांति समझते हैं। परन्तु भारतीय विद्वानों का कहना है कि तिल का जन्म लगभग मनुष्य के जन्म के साथ या

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

कुछ समय पश्चात् हो जाता है जबकि मस्से आदि मनुष्य के जीवन काल में किसी भी समय हो सकते हैं। मस्से ३०, ३५ वर्ष या इसके पश्चात् भी निकल आते हैं। जबकि तिल आरम्भ से ही होते हैं।

मस्से का स्त्री और पुरुष दोनों के लिए ही वर्णन किया जा रहा है। इसमें पाठकगण स्त्री के लिए बाएं भाग के मस्से आदि को शुभ और पुरुष के लिए अशुभ समझें। दाएं भाग के मस्से को पुरुष के लिए शुभ और स्त्री के लिए अशुभ माने।

यदि पुरुष या स्त्री के सिर के बीच में मस्सा हो तो उनको अचानक ही किसी न किसी जरिये से अपार धन की प्राप्ति होती है। यदि यही मस्सा सिर के पीछे हो उसका भी यही फल है।

मस्तक पर—यदि मस्सा मस्तक के बीच में हो और मस्तक विशाल भी हो तो स्त्री या पुरुष को कई तरीकों से धन आना शुरू हो जाता है।

भौहों के बीच में मस्सा—यदि भौहों के बीच या थोड़ा ऊपर को मस्सा हो तो यह स्त्री और पुरुष दोनों

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

के लिए शुभ नहीं समझा जाता। ऐसे मस्से वाले व्यक्ति चालाक, दुष्ट और स्वार्थी होते हैं। इनके मित्र तो सच्चे होते हैं। ये उनसे लाभ तो हासिल कर लेते हैं उन्हें सहयोग कभी नहीं देते।

पलकों पर मस्सा—यदि पलकों पर या उससे कुछ ऊपर दाईं या बाईं आंख पर मस्सा हो तो व्यक्ति अनेक कष्टों के कारण पीड़ित रहता है।

कनपटी या नेत्र पर—यदि कनपटी या नेत्र पर मस्सा हो तो इस प्रकार का व्यक्ति, धार्मिक प्रवृत्ति का होता है उसे पवित्र आत्माओं के यदा कदा दर्शन होते रहते हैं।

नाक पर—नाक के किसी भी क्षेत्र पर मस्सा हो ऐसा व्यक्ति भाग्यशाली होता है। ऐसे व्यक्ति को आभूषण व नये-नये वस्त्र प्राप्त होते हैं। नाक के नीचे व ओठों के ऊपर मस्सा हो तो ऐसा व्यक्ति धन के होते हुए भी सुखी नहीं रहता। वह कंजूस होता है।

गाल पर—गाल के किसी भी क्षेत्र पर मस्सा हो तो व्यक्ति पुत्रवान् होता है। उसका पुत्र अपनी प्रगति द्वारा

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

वंश का नाम उज्ज्वल करता है।

ओंठ पर—ओंठ के ऊपर या ओंठ के नीचे अथवा कोने पर मस्सा हो तो इस प्रकार के मस्से वाले व्यक्ति को स्वादिष्ट भोजन खाने को मिलते हैं। ऐसे व्यक्ति की वाणी में मिठास होता है। चिबुक पर मस्से का प्रभाव भी ऐसा ही होता है।

ठोड़ी के नीचे—यदि किसी व्यक्ति की ठोड़ी के नीचे मस्सा हो तो ऐसे व्यक्ति को जीवन के मध्य भाग में अपार धन की प्राप्ति होती है।

कान के मध्य या कान के अन्य किसी भाग पर मस्सा हो तो व्यक्ति पहले ऐश्वर्यशाली होता है। बाद में उसका झुकाव अध्यात्मवाद की ओर हो जाता है। ऐसा व्यक्ति रत्नजटित आभूषणों की प्राप्ति भी करता है।

गले पर मस्सा हो तो ऐसा व्यक्ति भोजन प्रिय होता है तथा तरह-तरह की मालाएं पहनने का शौकीन होता है।

हंसली पर सिर और गर्दन के जोड़ पर—यदि किसी व्यक्ति की हंसली पर मस्सा हो तो व्यक्ति पर

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDR
कोई अज्ञात व्यक्ति किसी तीखे और लोहे के औजार से आक्रमण करता है। अन्य शुभाशुभ चिह्नों के कारण कई बार तो व्यक्ति बच जाता है, कई बार मर भी जाता है।

छाती पर – कभी-कभी मस्से छाती के अग्र भाग पर भी होते हैं। कई बार छाती के ऊपर नीचे होते हैं। ये मस्से छाती के किसी भी भाग पर हों तो पुरुष या स्त्री को पुत्र की प्राप्ति होती है।

कन्धे पर मस्से—यदि किसी स्त्री और पुरुष के कन्धे पर मस्सा हो तो ऐसा आदमी या औरत व्यर्थ में घूमते रहते हैं। वे मेहनत अधिक करते हैं किन्तु फल कम पाते है।

बगल में –यदि किसी व्यक्ति की बगल में मस्सा हो तो उस व्यक्ति का सम्पूर्ण धन नष्ट हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति उसकी मदद करे तो भी उसे फल नहीं मिल पाता।

पीठ पर—यदि किसी व्यक्ति की पीठ पर मस्सा हो तो ऐसे व्यक्ति को अनेक संकटों और समस्याओं से

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

छुटकारा मिलता है। उसके कई काम मित्रों द्वारा ही ठीक हो जाते हैं।

बाजू पर – व्यक्ति की बाजू के किसी भी क्षेत्र में मस्सा हो तो ऐसा व्यक्ति शक्तिशाली और शत्रुनाशक होता है। उसे नये-नये वस्त्र और आभूषणों की प्राप्ति होती है।

कलाई पर—यदि किसी व्यक्ति की कलाई पर मस्सा हो तो ऐसा व्यक्ति स्वयं उल्टी सीधी हरकत करके अपने को गलत मित्रों के बन्धन में या पुलिस के बन्धन में डाल देता है।

उंगलियों पर :—यदि किसी व्यक्ति की उंगलियों पर मस्सा या मस्से हों उस व्यक्ति को बिना मेहनत के धन की प्राप्ति होती है। उसे ऐसे स्थानों से धन की प्राप्ति होती है, जिसकी कि उसे कल्पना भी नहीं होती।

पेट व नाभि पर :—पेट पर मस्सा कष्टकारक होता है परन्तु नाभि पर स्थित मस्सा व्यक्ति को उत्तम भोजन तथा श्रेष्ट पेय पदार्थों की प्राप्ति कराता है।

नाभि के नीचे : – यदि किसी व्यक्ति की नाभि के

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

नीचे मस्सा हो तो ऐसे व्यक्ति का धन लूटमार, चोरी अथवा ठगी के कारण नष्ट हो जाता है।

कमर के पास या नीचे मस्सा हो तो ऐसा व्यक्ति ऐश्वर्य युक्त और धन-धान्य से पूर्ण होता है।

पेड़ू पर मस्सा :—व्यक्ति को सुन्दर स्त्री पुत्र व अच्छे मित्र की प्राप्ति कराता है। ऐसे व्यक्ति का जीवन सन्तोष जनक होता है।

नितम्ब पर मस्सा :—पुरुष के नितम्ब पर मस्से का कोई विशेष महत्व नही होता परन्तु यदि मस्सा स्त्री के नितम्ब पर हो तो ऐसी स्त्री धन सुख से वंचित रहती है। उसके परिवार के सदस्य उसे दुःखी रखते हैं। घर में अनेक सुखों के बावजूद ऐसी स्त्री सुख नहीं भोग पाती।

अण्डकोष :- यदि किसी व्यक्ति के अण्डकोष या अण्ड कोष के नीचे मस्सा हो तो ऐसा व्यक्ति सोभाग्य शाली होता है। उसके पुर्वजों व बुजुर्गों का इतना धन होता है कि उसे अधिक कमाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती।

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDF

टांगों पर मस्सा :— टांग के किसी क्षेत्र पर मस्सा हो तो वह शुभ माना जाता है। ऐसे मस्से वाले व्यक्ति को धन-धान्य वाहन सुख, स्त्री एवं पुत्र सुख, सभी कुछ प्राप्त होता है।

यही मस्सा यदि घुटनों पर हो तो फल उल्टा हो जाता है। ऐसा व्यक्ति शत्रु एवं धन अभाव की पीड़ा से सदा पीड़ित रहता है।

टांग का भीतरी भाग :—यदि पिंडलियों पर मस्सा हो तो व्यक्ति को एक्सीडेण्ट से अथवा शस्त्रादि से चोटें लगती हैं।

एड़ी पर मस्सा :—यो तो एड़ी पर मस्सा न देखा गया है न सुना गया है किन्तु शास्त्रों में लिखा है कि एड़ी पर मस्सा हो भी जाए तो ऐसे व्यक्ति के अनुचित संबंध होते हैं। उसे यात्रा का पूर्ण योग होता है।

पांव की उंगलियों पर मस्से का होना शुभ नहीं। यदि किसी व्यक्ति की पांव की उंगलियों में किसी भी उंगली पर मस्सा हो तो ऐसा व्यक्ति किसी केस में फँस जाता है। उसे जेल तक भी हो सकती है। यदि यही

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri.Funding: MIDR

मस्सा पांव के अंगूठे पर हो तो ऐसे व्यक्ति को राज दरबार या अन्य उच्च संस्थाओं से सम्मान प्राप्त होता है। ऐसा व्यक्ति ससार प्रसिद्ध भी हो सकता है।

रीढ़ की हड्डी पर मस्सा हो तो ऐसे व्यक्ति को धन की कमी तो नहीं होती परन्तु स्वास्थ्य की कमी हमेशा रहती है। ऐसा व्यक्ति सदैव किसी न किसी रोग से पीड़ित रहता है।

गर्दन के पिछले भाग पर मस्सा हो तो व्यक्ति के जीवन में अनेक उतराव चढ़ाव आते हैं। ऐसा व्यक्ति फिर भी अपने लक्ष्य से नहीं हटता।

श्रीमती मेदिनी महल
श्रीमती मेदिनी महल
श्रीमती मेदिनी महल

Nepal Sanskrit University, Balmeeki Campus, Kathmandu